राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 27 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शुक्रवार 28 नवंबर 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में सांस लेना हुआ मुश्किल, हवा हुई 'बेहद खराब', कई इलाकों में एक्यूआई 350 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित एनसीआर में जहरीली हवा का कहर जारी है। शहर में स्मॉग की मोटी चादर छाई हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह सात बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 'बेहद खराब' श्रेणी में 349 दर्ज किया गया है।

इसके अलावा राजधानी के धौला कुआं इलाके में एक्यूआई 356, आनंद विहार में एक्यूआई 390, अलीपुर में 356, अशोक विहार में 388, चांदनी चौक में 371 और आईटीओ में 357 दर्ज किया गया है, जिसे 'बहुत खराब' कैटेगरी में रखा गया है। वहीं, बवाना में एक्यूआई 405, बुराड़ी एक्यूआई में 369, जहांगीरपुरी एक्यूआई में 394, नरेला एक्यूआई में 388 और द्वारका में एक्यूआई 348 दर्ज किया गया है। दिल्ली से सटे नोएडा सेक्टर-62 में एक्यूआई 325, गाजियाबाद के वसुंधरा में एक्यूआई 296, इंदिरापुरम में एक्यूआई 389 और गुरुग्राम (विकास सदन में एक्यूआई 325 रिकॉर्ड किया गया है। इससे पहले, बुधवार को दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई 327 रहा, जबकि मंगलवार को यह 352 और सोमवार को 382 दर्ज किया गया था। वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली के पूर्वानुमान अनुसार, आने वाले दिनों में हवा की गुणवत्ता में बहुत सुधार आने के आसार कम हैं।

हॉन्गकॉन्ग में 77 साल में सबसे भीषण आग :55 मौतें, 8 बहुमंजिला इमारतें जलीं

हॉन्ग कॉन्ग। हॉन्गकॉन्ग के 'ताई पो' जिले में बुधवार को एक बड़े रिहायशी कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। यह 77 साल में लगी सबसे भीषण आग बताई जा रही है। इस हादसे में अब तक 55 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 76 गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं, 279 लापता हैं। ये कॉम्प्लेक्स आठ इमारतों का था, जिनमें हर इमारत 35 मंजिलों की थी। इसमें करीब दो हजार अपार्टमेंट थे। वांग फुक कोर्ट के ये टावर बांस की मचान से ढके हुए थे। चार इमारतों में लगी आग पर लगभग 10 घंटे बाद सुबह तक काबू पा लिया गया। तीन इमारतों में आग पर 20 घंटे बाद भी काबू नहीं पाया जा सका है। मामले में पुलिस ने ठेकेदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया है। इन पर आग के मामले में लापरवाही या गैर-इरादतन हत्या का शक जताया गया है। पुलिस ने इनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। वहीं, 7 दिसंबर को होने वाले चुनाव से पहले चुनाव प्रचार गतिविधियां स्थगित कर दी गई हैं। तेज हवा और जलते हुए मलबे की वजह से लपटें एक इमारत से दूसरी इमारत तक फैलती चली गईं। जब आग भड़की, तो कई लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी क्योंकि मरम्मत की वजह से खिड़कियां बंद थीं। आग बुझाने पहुंची टीम को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई मंजिलों पर तापमान इतना ज्यादा था कि फायर फाइटर्स उन जगहों तक पहुंच भी नहीं पा रहे थे। इसी दौरान एक फायर फाइटर की मौत भी हो गई। पुलिस अभी यह पता लगाने में जुटी है कि कितने लोग लापता हैं और कितने को सुरक्षित निकाला जा चुका है। आग के समय ज्यादातर बुजुर्ग अपने घरों में आराम कर रहे थे, जिसके कारण वो समय पर बाहर नहीं निकल पाए।

कोर्ट की केंद्र को सलाह

दिव्यांगों की गरिमा की रक्षा के लिए सख्त कानून बनाने पर विचार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिव्यांग लोगों की गरिमा की रक्षा के लिए सख्त कानून की जरूरत पर जोर दिया। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह ऐसा कानून बनाने पर विचार करे, जिसमें दिव्यांगों या दुर्लभ अनुवांशिक बीमारी के पीड़ितों का मजाक उड़ाने या अपमान करने करने को ठीक उसी तरह अपराध बनाया जाए, जैसे अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) अधिनियम में प्रावधान है।

बेंच ने पूछा- एससी-एसटी जैसा कानून क्यों नहीं बना सकते?

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 जातिसूचक टिप्पणी, भेदभाव, अपमान और हिंसा को अपराध मानता है और ऐसे अपराधों को गैर-जमानती बनाता है। चीफजस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की बेंच ने कहा, आप अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति अधिनियम जैसा कड़ा कानून क्यों नहीं बना सकते, जिसमें अपमान करने पर सजा है?

'ऑनलाइन अवैध सामग्री पर नियंत्रण के लिए स्वायत्त संस्था की जरूरत'

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता केंद्र की ओर से पेश हुए। उन्होंने कहा कि किसी की गरिमा की कीमत पर हास्य नहीं हो सकता। उन्होंने कोर्ट की इस टिप्पणी की सराहना की। बेंच ने यह भी कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अश्लील, आपत्तिजनक या अवैध सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त संस्था की जरूरत है।

शीर्ष कोर्ट एसएमए क्योर फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह संस्था स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी नाम की बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए काम करती है। याचिका में 'इंडियाज गॉट लैटेंट' के होस्ट समय रैना और विपुन गोयल, बलराज परविंदर सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर जैसे अन्य सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स की ओर से किए गए मजाक पर आपत्ति जताई गई थी।

रैना और अन्य कॉमेडियन को दिए निर्देश

बेंच ने उन्हें भविष्य में सावधान रहने को कहा और निर्देश दिया कि रैना और अन्य कॉमेडियन महीने में दो कार्यक्रम ऐसे आयोजित करें जिनमें विकलांग व्यक्तियों की सफलता की कहानियां बताएं, ताकि उनके उपचार के लिए फंड जुटाया जा सके, खासकर एसएमए से पीड़ित लोगों के लिए। कोर्ट ने कहा कि यह एक सामाजिक दंड है और उनकी अन्य सजाओं से उन्हें राहत दी जा रही है।

सार्वजनिक चर्चा के लिए दिशा निर्देश जारी करे मंत्रालय

दिव्यांग व्यक्तियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी और उपहास पर दिशानिर्देश बनाने के मुद्दे पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि कुछ दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं। बेंच ने मंत्रालय से कहा कि इन दिशानिर्देशों को सार्वजनिक चर्चा के लिए जारी किया जाए। कोर्ट ने इस मामले को सुनवाई के लिए चार हफ्ते बाद सूचीबद्ध कर दिया।

तीन दिवसीय सम्मेलन मे देश के नामचीन नेता होंगे

छत्तीसगढ़ मे देश का सबसे बड़ा सुरक्षा सम्मेलन आज से शुरू

मोदी और शाह, डोभाल होंगे शामिल

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मे पहली बार तीन दिवसीय राष्ट्रीय सुरक्छा सम्मेलन का आयोजन 28 से 30 नववर तक नया रायपुरर मे किया गया है द्य इस राष्ट्रीय सम्मेलन मे प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, डोभाल सहित पुलिस के वरिष्ठ अफसर शामिल होंगे, सम्मेलन को देखते हुए पुलिस के कड़े इन्तेजाम किये गए है। राजधानी रायपुर एक ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी करने जा रहा है।

नवा रायपुर स्थित द्वद्वरूपरिसर में 28 से 30 नवंबर तक 60वां अखिल भारतीय डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन आयोजित कल से होगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस उच्चस्तरीय सुरक्षा सम्मेलन में देशभर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, केंद्रीय एजेंसियों के प्रमुख, सुरक्षा सलाहकार और केंद्र सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे।

राष्ट्रीय सुरक्छा सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (द्व्स) अजीत डोभाल शामिल होंगे द्य बताया जाता है कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, और डोभाल कि आगमन कि आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है।

मालूम हो कि छत्तीसगढ़ मे पहला अवसर है जब इस स्तर के राष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है,राज्य के लिए बड़ी एक उपलब्धि मानी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के रायपुर प्रवास के दौरान विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नवा रायपुर स्थित शासकीय आवास को आधिकारिक ठहरने के लिए चयनित किया गया है। एसपीजी ने डॉ. रमन सिंह के बंगले को अपनी कस्टडी में ले लिया है। परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बैरिकेटिंग, एंटी-सबोटाज चेकिंग और तकनीकी निगरानी बढ़ा दी गई है।

बंगले को अस्थायी तौर पर क्कद्व कैम्प ऑफिस की तरह तैयार किया गया है। छत्तीसगढ़ मे तीन दिवसीय चलने वाले राष्ट्रीय सुरक्छा सम्मेलन मे एसपीजी कि टीम नया रायपुर पहुंची द्य सम्मेलन कि सुरक्छा के मद्देनजर हज़ारो से अधिक पुलिस के जवान चौक चौराहो पर तैनात किये गए है।

चीन की बादशाहत खत्म करने की तैयारी : केंद्र ने 7,280 करोड़ की 'मैग्नेट स्कीम' को दी मंजूरी

डिफेंस से लेकर ईवी तक में होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने चीन की मोनोपोली तोड़ने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बुधवार को एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है। सरकार ने देश में 'सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट्स' (क्रश्वक्क) की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए 7,280 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना को

मंजूरी दे दी है। यह भारत में अपनी तरह की पहली योजना है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश के भीतर हर साल 6,000 मीट्रिक टन की उत्पादन क्षमता वाले अत्याधुनिक मैग्नेट कारखाने स्थापित करना है। सरकार के इस कदम को रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि भविष्य की तकनीक पूरी तरह इन्हीं मैग्नेट्स पर निर्भर है।

गौरतलब है कि रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट्स के बाजार पर अब तक चीन का एकतरफा दबदबा रहा है। पिछले दिनों चीन द्वारा इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के कारण पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई थी, जिसका सीधा असर ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री पर पड़ा था। ये मैग्नेट्स दुनिया के सबसे शक्तिशाली चुंबकों में गिने जाते हैं। इनका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों (श्वङ्क), सोलर और विंड एनर्जी प्रोजेक्ट्स, मोबाइल फोन, एयरोस्पेस, रक्षा उपकरण, मिसाइल तकनीक और एमआरआई मशीन जैसे मेडिकल उपकरणों में होता है। चीन पर निर्भरता कम करने के लिए ही भारत ने घरेलू स्तर पर इसका उत्पादन शुरू करने का निर्णय लिया है।

वो मेरे लिए सब कुछ थे, धर्मेंद्र के निधन के बाद पहली बार हेमा मालिनी ने बयां किया अपना दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड डीवा हेमा मालिनी के लिए ये समय असहनीय पीड़ा से भरा है। उन्होंने अपने सबसे प्यारे शख्स को जाते हुए देखा है, जिसके लिए उन्होंने अपने परिवार से लड़कर शादी की थी। धर्मेंद्र देओल के निधन के बाद पहली बार हेमा मालिनी ने अपना दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर अपने पति और अभिनेता धर्मेंद्र के जाने पर उनकी जिंदगी में आए खालीपन और एक अभिनेता के तौर पर हिंदी सिनेमा में उनकी सफलता को याद किया है। एक्ट्रेस ने लिखा, धरम जी, मेरे लिए बहुत कुछ थे। एक प्यारे पति, हमारी दो बेटियों, ईशा और अहाना के लाड़ले पिता, दोस्त, मार्गदर्शक, कवि, और हर मुश्किल घड़ी में मेरा सबसे पहले साथ देने वाले इंसान, वो मेरे लिए सब कुछ थे। उन्होंने हमेशा अच्छे-बुरे वक्त में मेरा साथ दिया है।

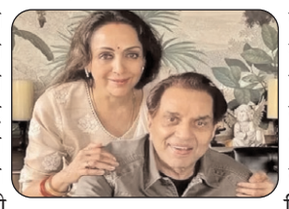

उन्होंने आगे लिखा, अपने सहज, मिलनसार व्यवहार से और हमेशा सभी के प्रति स्नेह और रुचि दिखाते हुए उन्होंने मेरे परिवार के सभी सदस्यों को अपना बना लिया था। सार्वजनिक तौर पर भी अपनी लोकप्रियता और सफलता के बाद भी उनकी विनम्रता ने सभी दिग्गजों और फैंस के बीच उन्हें हमेशा के लिए स्थापित किया है। हिंदी सिनेमा में उनकी सफलता और लोकप्रियता हमेशा स्थाई बनी रहेगी।

जिंदगी भर के साथ और अभूतपूर्व प्यार को याद करते हुए हेमा ने आगे लिखा, मेरा व्यक्तिगत नुकसान अवर्णनीय है, मेरे जीवन में जो शून्य आया, वो जीवन भर रहेगा। सालों के साथ के बाद, मेरे पास उन खास पलों को फिर से जीने के लिए ढेरों यादें बची हैं। हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने और धर्मेंद्र देओल के प्यार भरे पलों को याद भी किया

पीएम मोदी ने स्काईरूट के इनफिनिटी कैंपस का किया उद्घाटन

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र बदल रहा –

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय स्पेस स्टार्टअप स्काईरूट के इनफिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया। साथ ही इसके पहले उन्होंने ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-द्ब को भी दिखाया। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश स्पेस सेक्टर में एक ऐसा मौका देख रहा है, जो पहले कभी नहीं मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज, निजी क्षेत्र भारत के स्पेस इकोसिस्टम में एक बड़ी छलांग लगा रहा है। स्काईरूट का इनफिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, इनोवेशन और युवा शक्ति की झलक है। उन्होंने कहा कि भरोसे, क्षमता और

वैल्यू के साथ भारतीय स्पेस टैलेंट ने पूरी दुनिया में एक मजबूत पहचान बनाई है। पीएम मोदी ने कहा कि देश की अंतरिक्ष यात्रा बहुत कम संसाधन के साथ शुरू हुई थी, लेकिन हमारी उम्मीदें कभी सीमित नहीं थीं। उन्होंने कहा कि साइकिल पर ले जाए जाने वाले रॉकेट के एक हिस्से से, आज भारत ने दुनिया के सबसे भरोसेमंद लॉन्च व्हीकल में से एक बनाने वाले के तौर पर अपनी जगह बनाई है। उन्होंने इस सफलता का क्रेडिट पिछले दशक में भारत के स्पेस सेक्टर में किए गए ऐतिहासिक सुधारों को भी दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार ने इस सेक्टर को निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया है, ताकि स्टार्टअप और उद्योग हमारे साइंटिफिक इकोसिस्टम के साथ मिलकर काम कर सकें। पिछले छह से सात सालों में भारत ने अपने स्पेस सेक्टर को एक खुले, सहकारी और इनोवेशन-ड्रिवन डोमेन में बदल दिया है। यह तरक्की आज के प्रोग्राम में साफ तौर पर दिखती है। उन्होंने आगे कहा, ग्लोबल इन्वेस्टर्स के लिए भारत का स्पेस सेक्टर तेजी से एक आकर्षक जगह बनता जा रहा है। दुनिया भर में छोटे सैटेलाइट्स की मांग लगातार बढ़ रही है और स्पेस को अब एक स्ट्रेटेजिक एसेट के तौर पर पहचाना जा रहा है।

स्पेस सेक्टर में ऐसी काबिलियत है जो दुनिया के कुछ ही देशों के पास

पीएम मोदी ने कहा, देश ने साबित कर दिया है कि हमारे सपनों की ऊंचाई रिसोर्स से नहीं, बल्कि पक्के इरादे से तय होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के पास स्पेस सेक्टर में ऐसी काबिलियत है जो दुनिया के कुछ ही देशों के पास है। हमारे पास एक्सपर्ट इंजीनियर, हाई-क्वालिटी मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम, वर्ल्ड-क्लास लॉन्च साइट्स और इनोवेशन को बढ़ावा देने वाली सोच है।

जिले के प्रभारी सचिव श्रीमती आर.संगीता ने ग्राम केशोडार स्थित पीव्हीटीजी वनधन केन्द्र का निरीक्षण किया

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के प्रभारी सचिव श्रीमती आर. संगीता ने एक दिवसीय गरियाबंद प्रवास के दौरान आज गरियाबंद वनमण्डल अंतर्गत ग्राम केशोडार में स्थापित पीव्हीटीजी वनधन केन्द्र केशोडार का निरीक्षण किया।उन्होंने केशोडार में स्थापित वनौषधि प्रसंस्करण केन्द्र का अवलोकन करते हुए महिला स्व सहायता समूह द्वारा किये जा रहे विभिन्न प्रकार की औषधियों का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर बीएस उइके,जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। वनमंडलाधिकारी शशिगानंदन के.ने बताया कि वनधन

विकास केन्द्र केशोडार में भूतेश्वरनाथ हर्बल औषधालय स्वसहायता समूह के 12 सदस्यों के अतिरिक्त 75 महिलाओं को सालभर रोजगार प्राप्त हो रहा है। यहां पर 21 प्रकार से अधिक औषधियों का निर्माण किया जाता है। प्रभारी सचिव श्रीमती संगीता ने महिलाओं द्वारा वनौषधि निर्माण करते हुए देखा एवं समूह के सदस्यों के साथ चर्चा भी की। इस दौरान उन्होंने समूह के सदस्यों के गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। साथ ही वन औषधी प्रसंस्करण एवं इनसे निर्मित दवाईयों से होने वाले आय के बारे में भी पूछा। समूह के सदस्यो के द्वारा अवगत कराया गया कि उनके स्वयं के ग्राम में वनौषधि प्रसंस्करण केन्द्र स्थापित होने से समूह को रोजगार की तलाश में कहीं जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

समूह के सदस्यो को सालभर प्रसंस्करण केन्द्र में रोजगार प्राप्त होते रहता है। समूह के द्वारा वर्ष 2024-25 में वनधन विकास केन्द्र के द्वारा लगभग 94 लाख 60 हजार रूपये के उत्पाद का विक्रय किया गया है। जिसमें आयुष विभाग द्वारा आर्डर किये गये 56 लाख रूपये के सतावरी चूर्ण भी शामिल है। आयुष विभाग से महाविषगर्भ तेल की आर्डर प्राप्त है, जो कि लगभग 56 लाख 17 हजार रूपये राशि की है। वर्तमान में आयुष विभाग से प्राप्त आर्डर की कुल लागत 7 लाख 75 हजार की है। एनडब्ल्यूएफपी मार्ट रायपुर से प्राप्त आर्डर सप्लाई किया गया जिसकी कुल राशि 9 लाख 51 हजार रुपये है। वर्ष 2021 में समुह को ट्राईफेड नई दिल्ली द्वारा वन धन केंद्र में निर्मित उत्पादों का सर्वाधिक विक्रय किए जाने के लिए छ.ग. राज्य में प्रथम पुरस्कार तथा मूल्य वर्धित वस्तुओं के निर्माण के लिए द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2024 में समूह सदस्य को 26 जनवरी के अवसर पर राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू से विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रपति भवन में मिलने का अवसर प्राप्त हुआ तथा संसद भवन में जाने का अवसर भी प्राप्त हुआ। जनजातीय गौरव दिवस बिरसा मुंडा जयंति में समूह को बिहार के जमुई में कार्यक्रम में शामिल होकर वन धन विकास केंद्र के उत्पाद का स्टॉल पीव्हीटीजी सदस्य के रूप में लगाया गया। समूह के द्वारा किए जा रहे वनोषधी प्रसंस्करण अंतर्गत हो रहे लाभ से प्रभारी सचिव ने प्रसन्नता जाहिर की।

संक्षिप्त-खबर

केशरी कॉलेज ऑफफॉर्मेसी खोखरा, जांजगीर के प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा

जांजगीर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद विश्व विद्यालय भिलाई द्वारा डी फॉर्मेसी प्रथम वर्ष का मुख्य परीक्षा परिणाम घोषित किया गया । जिसमें केशरी कॉलेज ऑफ फार्मेसी खोखरा,जांजगीर के डी. फार्मेसी प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम में सभी छात्र - छात्राओं ने परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि से महाविद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई है । विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और महाविद्यालय के योग्य प्राध्यापकों के मार्गदर्शन को इसका श्रेय दिया जा रहा है। महाविद्यालय प्रशासन ने छात्रों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया है और भविष्य में भी इसी तरह की सफलता की कामना की है। डी फॉर्मेसी प्रथम वर्ष के फार्मासिस्ट छात्र योगेंद्र कुमार ने 84 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। नेहा पटेल 83 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान पर रही , राधारानी 82 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान पर रही , यशकुमारी साहू 81 प्रतिशत, नेहा कश्यप 80 प्रतिशत, उमेश पटेल 80 प्रतिशत ,जगदीश कुमार 79 प्रतिशत, बिंदु कश्यप 78 प्रतिशत, विकाश पाण्डेय 78 प्रतिशत, नारायण 78 प्रतिशत अंकों के साथ उत्कृष्ट परिणाम से डी फार्मेसी प्रथम वर्ष की परीक्षा में कक्षा में अपना स्थान बनाया । इन सभी के साथ ही देवेंद्र कश्यप , , हेम सिंह, हेमलाल देवांगन,विनीता , दुर्गेश्वरी, तरुण देवांगन, सचिन , ईश्वर प्रसाद, वैभव जयसवाल, अभिषेक कुमार , अनिल पटेल, जगबाई , दिनेश कुमार , मीना ,जैनेंद्र कुमार, विधाता नामदेव, दीनू बंजारे, गणपति दास महंत सभी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए।इस उपलब्धि पर संस्था के संचालक डॉ.सुरेश यादव के ने कहा कि महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों के प्रोत्साहन फलस्वरूप अच्छा परीक्षा परिणाम प्राप्त हुआ है। उन्होंने सभी उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ और आगे की पढ़ाई में सफलता की कामना की है।। फॉर्मेसी महाविद्यालय के प्राचार्य रितेश पटेल ने कहा, यह उपलब्धि हमारे विद्यार्थियों के समर्पित प्रयासों का फल है। हम भविष्य में भी छात्रों को बेहतर सुविधाएँ और शोध के अवसर प्रदान करेंगे। इसका श्रेय महाविद्यालय परिवार एवं छात्र - छात्राओं के माता पिता को जाता है। महाविद्यालय से मनोज यादव , हितेश कहरा, ज्योतिरादित्य सिंह, मोहित चौरसिया ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

संविधान दिवस पर संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर को याद किया गया

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय मे सविधान दिवस के अवसर पर कई जगहों पर सविधान कि प्रस्तावना का वाचन किया गया। कलेक्टॉरेट सहित नगर के वार्ड नम्बर दस मे भी सविधान दिवस पर्व के रूप मे मनाया गया जंहा बौद्ध महार समाज द्वारा संविधान की प्रस्तावना सामूहिक रूप से पढ़ी गई एवं महिलाओं बच्चों युवाओं के द्वारा बाबा साहब के जीवन के संघर्ष को बताया गया साथ ही उनके स्वास्थ्य खराब होने के बाद भी भारत के सभी धर्मों जातियों संम्प्रदायो के हितो कि रक्षा करने वाला संविधान इस देश को दिया, संविधान के मौलिक अधिकारों पर सामाजिक कुरीतियां को लेकर बहुजन महापुरुषों के संघर्ष योगदान से जुड़ी बातो व्याख्यान कार्यक्रम रखा गया जिसमें जनप्रतिनिधियों व समाज के सभी लोग सम्मिलित हुए सैकड़ो की संख्या में कार्यक्रम को सुनने लोगों की भीड़ रही। प्रमुख वक्ता के रूप मे , शिव खापर्डे, अध्यक्ष बौद्ध महार समाज गरियाबंद रहे।

जिले के प्रभारी प्रभारी सचिव ने लाईवलीहुड कॉलेज का आकस्मिक निरीक्षण किया

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के प्रभारी सचिव आर.संगीता ने लाईवलीहुड कॉलेज गरियाबंद का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान लाईवलीहुड कॉलेज में संचालित कोर्स जल वितरण संचालक (मल्टी स्कील) टैक्सी ड्राइवर,फ्रंट ऑफिस,फुड एवं बेवरेज अंतर्गत 30-30 प्रशिक्षणार्थी के 4 बैच में कुल 120 प्रशिक्षणार्थियों को आवासीय कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है।श्रीमती संगीता ने चर्चा करते हुए उन्हें प्रशिक्षण उपरांत जल वितरण संचालक के प्रशिक्षणार्थियों को गांवों में पानी की समस्या दूर कर जल बचाने के लिए प्रेरित किया, टैक्सी ड्राइवर के प्रशिक्षणार्थियों को यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाने एवं बैठे सवारियों, परिवारजन व यात्रियों को निर्धारित स्थल पर सुरक्षित पहुंचाने एवं नशा न करने की समझाईश दी, फ्रंट ऑफिस के प्रशिक्षणार्थियों को पर्सनालिटी डेवलपलमेंट करने व सदैव मुस्काराते हुए मेहमानों का अच्छे से स्वागत करने कहा तथा फुड एवं बेवरेज के प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण उपरांत रायपुर एवं अन्य शहरों के होटलों, रेस्टारेंट में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने लाईवलीहुड कॉलेज में संचालित कौशल प्रशिक्षण की सराहना की। इस दौरान कलेक्टर बीएस उइके, वनमण्डलाधिकारी शशिगानंदन के.,जिला पंचायत के सी.ई.ओ.प्रखर चंद्राकर,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चंद्राकर,सहायक परियोजना अधिकारी लाईवलीहुड सृष्टि मिश्रा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

हिंदू समाज के सशक्तीकरण के लिए हर गांव में खुलेगा हनुमान चालीसा केंद्र- डॉ. प्रवीण तोगड़िया

बसना के रामजानकी मंदिर परिसर में त्रिशुल दीक्षा और हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन

बसना(समय दर्शन)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक और श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन जननायक डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने अपने चार दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान बसना नगर में रामजानकी मंदिर में आयोजित त्रिशुल दीक्षा और हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा किया गया था, जिसमें प्रवीण तोगड़िया के साथ राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री प्रदीप गौर, प्रान्त संगठन मंत्री राहुल वाड़ीवा, प्रान्त अध्यक्ष कृष्णा राव, प्रान्त महामंत्री महेन्द्र साव, प्रान्त उपाध्यक्ष जितेंद्र महंत, हिन्दू हेल्पलाइन के प्रान्त महामंत्री हेमंत साहू, मंत्री मनोज साहू, महासमुंद जिला अध्यक्ष मोहन सोनवानी और कबीर कुटी तरेकेला के लखन मुनी और अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।इस कार्यक्रम में डॉ. तोगड़िया ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए हिंदू समाज की एकता पर जोर दिया और कहा कि हिंदू समाज को अब और मजबूत बनाने के लिए धार्मिक चेतना और सामाजिक समरसता की आवश्यकता है। तोगड़िया ने इस बात पर भी जोर दिया कि जब तक हिंदू समाज संगठित नहीं होगा, तब तक भारत अपनी पूरी शक्ति से उभर नहीं सकेगा। उनका कहना था कि एक सशक्त हिंदू समाज ही देश के भविष्य को उज्जवल बना सकता है और यह तभी संभव है जब हम अपने बीच धार्मिक और सामाजिक समरसता को बढ़ावा दें।

हनुमान चालीसा केंद्र की स्थापना: हिंदू समाज को एकजुट करने की योजना

डॉ. तोगड़िया ने अपने संबोधन में बताया कि उनका वीर हिंदू, विजेता हिंदू, हिंदू सुरक्षा अभियान पूरे देश में एक लाख हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। उनका मानना है कि ये केंद्र हिंदू समाज को एकजुट करने का सबसे बड़ा माध्यम साबित होंगे। वे छत्तीसगढ़ के प्रत्येक गांव, नगर, तहसील और ब्लॉक केंद्रों में हनुमान चालीसा केंद्र खोलने का ऐलान कर चुके हैं। उनका कहना था कि हनुमान चालीसा केंद्र न केवल एक धार्मिक स्थल होगा, बल्कि यह एक ऐसा केंद्र होगा, जहां पर हिंदू समाज के लोग धार्मिक, सामाजिक और सेवा कार्यों के लिए इकट्ठा होंगे। तोगड़िया ने कहा, हनुमान चालीसा केंद्रों से समाज को एकजुट करने का काम किया जाएगा, जिससे हिंदू समाज की शक्ति बढ़ेगी और वह अपने अधिकारों के लिए खड़ा हो सकेगा।

धार्मिक और सामाजिक कार्यों का होगा आयोजन

डॉ. तोगड़िया ने आगे कहा कि इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज में धार्मिक जागरूकता फैलाना और समाज में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। हर हनुमान चालीसा केंद्र में धार्मिक अनुष्ठान, कुटुंब और समाज कल्याण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा, इन केंद्रों से सेवा कार्य भी किए जाएंगे, जैसे गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करना, स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना, और शिक्षा के लिए अभियान चलाना। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये केंद्र हिंदू समाज की सेवा और उसकी एकता को बढ़ाने के साथ-साथ भारत के हर कोने में हिंदू समाज के सशक्तीकरण के लिए काम करेंगे।

जिलाध्यक्ष मोहन सोनवानी के घर भोजन और मुलाकात

डॉ. तोगड़िया ने अपने दौरे के दौरान जिलाध्यक्ष मोहन सोनवानी के घर पर भोजन किया। जहां छत्तीसगढ़ी व्यंजन तिवरा, सरसो सहित 5 प्रकार के बने भाजी और टमाटर चटनी की तारीफकी।

नि:शुल्क प्रशिक्षण का बड़ा परिणाम, 8 बालिकाओं का खेलो इंडिया में चयन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। चिखली स्कूल मैदान में रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित नि:शुल्क हॉकी प्रशिक्षण शिविर एक बार फिर बड़ी सफलता का कारण बना है। पटरीपार क्षेत्र के बच्चों के लिए चल रहे इस प्रशिक्षण में शामिल 8 खिलाड़ियों का चयन भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना खेलो इंडिया में हुआ है। चयन ट्रायल 6 नवंबर को आयोजित किए गए थे, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को चुना गया। प्राप्त सूची में जिन 8 बालिकाओं के नाम शामिल है, उनमें लक्ष्य पब्लिक स्कूल से डिंपल यादव, निधि मरकाम, कनक मरकाम तथा तनिस्का, शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चिखली से तीजेश्वरी यादव, जिया साहू, विनायक पब्लिक स्कूल से जूही राजपूत, नीरज पेरेंट्स प्राइड स्कूल

से फाल्गुनी नायडू है। सभी चयनित खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं एनआईएस गोल्ड मेडलिस्ट कोच मृणाल चौबे के निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

मृणाल चौबे ने बताया कि रुद्राक्षम् वेलफेयर सोसाइटी द्वारा चलाए जा रहे विस्तृत अभियान के अंतर्गत पटरी पार क्षेत्र के बच्चों को खेल, शिक्षा, अनुशासन, स्वास्थ्य और नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों को मैदान से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करना है। यह उपलब्धि उसी प्रयास का परिणाम है। पटरी पार क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखा जा रहा है। छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि राजनांदगांव की हॉकी ने हमेशा राज्य और देश का गौरव बढ़ाया है। खिलाड़ियों का खेलो इंडिया में चयन इस पहचान को और मजबूत करता है। महापौर मधुसूदन यादव, जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेता, सहायक संचालक खेल विभाग ए. एक्का, नीलमचंद जैन, कुतुबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, भुषण सॉव, नरेश डाकलिया पूर्व महापौर, कुमार स्वामी, पार्षद छोटेलाल रामटेके, ज्ञानचंद जैन, प्रकाश शर्मा, वरिष्ठ पार्षद शिव वर्मा, सुनील वर्मा, अजय झा, गणेश प्रसाद शर्मा, ज्ञानचंद जैन, अनुराज श्रीवास्तव, अब्दुल कादिर, प्रिंस भाटिया, रणविजय प्रताप सिंह, रामावतार जोशी, दिग्विजय श्रीवास्तव, संतोष साहू, राजू रंगारी, महेंद्र ठाकुर, गुणवंत पटेल, किशोर धीवर, तथा अनेक जनप्रतिनिधियों, खेल प्रेमियों और समाजसेवियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी ने इस सफलता को राजनांदगांव की उभरती प्रतिभाओं के उज्ज्वल भविष्य का संकेत बताया।

आदिवासी समाज व सरपंच संघ ने एसटी आयोग अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन, क्रीड़ा परिसर की सीट वृद्धि व ज़मीन विवाद समाधान की मांग

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद सर्किट हाउस में सर्व आदिवासी समाज के प्रमुख सदस्य, विभिन्न समाज प्रमुखों सहित सरपंच संघ के समस्त पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जाधारी श्री रूप सिंह मंडावी से सौजन्य भेंट कर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आदिवासी क्रीड़ा परिसर में वर्तमान 100 सीटों को बढ़ाकर 150 सीट करने की मांग रखी। साथ ही 165/ख एवं 170/ख भूमि विवाद के त्वरित निराकरण, वन अधिकार पट्टा वितरण में गति लाने तथा आदिवासी समुदाय पर हो रहे अत्याचारों पर प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता पर भी जोर दिया। सभी गणमान्य सरपंचों और समाज प्रतिनिधियों ने अपनी सामूहिक मांगों को लेकर माननीय अध्यक्ष श्री मंडावी को आवेदन सौंपा। उन्होंने बताया कि ये विषय लंबे समय से लंबित हैं, जिनका समाधान क्षेत्र की जनहित और आदिवासी समुदाय के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।सर्किट हाउस (विश्राम गृह) में हुई इस मुलाक़ात के दौरान आयोग अध्यक्ष ने प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जियो नेटवर्क का हाल बेहाल, 5ज के दावों के बीच 4ज भी नहीं चल पा रहा, उपभोक्ताओं में नाराज़गी

रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी मे जियो नेटवर्क की खराब गुणवत्ता को लेकर उपभोक्ताओं में काफ़ी नाराज़गी देखने को मिली नेटवर्क कि खराबी को लेकर शहर के कुछ इलाकों मे सन्नाटा देखने को मिला ।जिओ कंपनी 5ज सेवाओं के विस्तार का दावा कर रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उल्टा है। शहर में 4ज नेटवर्क भी मुश्किल से चलता है। इंटरनेट स्पीड इतनी धीमी है कि ऑनलाइन काम, फोटो-वीडियो अपलोड, यहां तक कि सामान्य व्हाट्सऐप मैसेज भेजना भी चुनौती बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे नियमित रूप से रिचार्ज करा रहे हैं, लेकिन सेवा की गुणवत्ता बेहद खराब होने से राशि का नुकसान उठाना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं ने कंपनी से नेटवर्क सुधार की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो वे सेवा प्रदाता बदलने पर मजबूर होंगे। प्रत्यछ दरसियों का कहना है कि ग्रामीण जैसे विकसित हो रहे कस्बे में मजबूत नेटवर्क सुविधा जरूरी है, वहीं लोग उम्मीद कर रहे हैं कि कंपनी जल्द समस्या का समाधान करेगी।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने की धान खरीदी प्रगति की समीक्षा

अवैध धान पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश, एग्रीस्टैक पंजीयन को अभियान मोड में करने कहा

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने जिले में उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी को सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने एवं प्रगति के संबंध में संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अवैध धान की खरीदी और परिवहन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि अगर किसी भी प्रकार की अवैध धान खरीदी या बेचने की जानकारी मिलती है, तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होने कहा कि अवैध धान खरीदी पर अधिकारी विशेष नजर बनाए रखे।

कलेक्टर ने कहा कि सभी किसानों की एंट्री ऑनलाइन गेट पास सॉफ्टवेयर में होनी चाहिए और केन्द्र में जितने टोकन कटते है तो उन सभी टोकन की एंट्री अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर प्रतिदिन इसकी समीक्षा की जाएगी, साथ ही अधिकारी सभी किसानों के फोटो के साथ गेट पास में एंट्री होना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में धान खरीदी का काम किसानों से सीधे जुड़ा हुआ है और इसमें किसी तरह की अड़चन स्वीकार्य नहीं है। कलेक्टर ने कहा कि पीडीएस बारदाना का उठाव समय पर किया जाए। बैठक में सतर्क एप के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने सत्यापन कार्य समय पर हो, रकबा समर्पण, तुहर टोकन सहित विभिन्न विषय पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि सभी नोडल अधिकारी सुनिश्चित करे कि सभी खरीदी केंद्रों में पीने का पानी, शौचालय, तौल प्रबंध, कैंपस की सुरक्षा, किसानों के बैठने की व्यवस्था पूर्ण रूप से उपलब्ध रहें। इस अवसर पर खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

तेज रतार एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाना पड़ा महंगा

दुर्ग। उतई नेवई मेन रोड मे ओव्हरब्रीज के पास कार क्रमांक सी.जी 07 सी.एन 6610 के चालक एवं कार मे मौजूद अन्य 04 लोगों के द्वारा तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक कार चलाकर स्टंट करने संबंधी विडियों वायरल होने पर दिनांक 26/11/2025 को थाना नेवई मे पदस्थ पेट्रोलिंग आरक्षक अरुण मिश्रा क्रमांक 983 की रिपोर्ट पर कार क्रमांक सी.जी 07 सी.एन 6610 के चालक के विरुद्ध अपराध कमांक 384/2025 धारा 281 बीएनएस 184,66/192,179 एम.व्ही एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया है।मामले की विवेचना दौरान धारा सदर का अपराध का घटित होना पाये जाने से आरोपी कार चालक के विरुद्ध साक्ष्य संकलित कर विवेचना से अपराध सबूत पाये जाने से आरोपी कार कमांक सी.जी 07 सी.एन 6610 के चालक मेरज शाह पिता आजाद शाह उम्र 23 साल पता ग्राम उमरपोटी थाना उतई जिला दुर्ग से कार प्रकरण मे विधिवत जप्त कर कार चालक मेराज साव को उक्त प्रकरण मे विधिवत गिरफ्तार किया जाकर वैधानिक कार्यवाही किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष ने ली जिला स्तरीय अधिकरियों की समीक्षा बैठक

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में वन अधिकार अधिनियम एट्रोसिटी एक्ट,आदिवासी विकास योजनाओं तथा श्रम विभाग की संचालित योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्टर बीएस उइके मौजूद थे।अध्यक्ष श्री मण्डावी ने वन विभाग से विकासखंडवार वनभूमि पट्टा हेतु प्राप्त आवेदनों, निरस्त प्रकरणों और अब तक प्रदत्त पट्टों की

जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों के लंबित प्रकरणों को शीघ्रता से निपटाया जाए तथा जिन आवेदनों को अनुचित रूप से निरस्त किया गया है उनकी पुन: जांच की जाए। उन्होंने कहा कि वन अधिकार अधिनियम जनजातीय समाज के ऐतिहासिक अधिकारों की पुनर्स्थापना का माध्यम है,इसलिए इसके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में वर्ष 2024-25 के दौरान पुलिस विभाग द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर एट्रोसिटी एक्ट के तहत की गई कार्रवाई की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को कहा कि सभी शिकायतों पर त्वरित एफ्आईआर,निष्पक्ष जांच और निर्धारित समय सीमा में पीड़ितों को राहत राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील मामलों में विलंब जनविश्वास को प्रभावित करता है और इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। आदिवासी विकास विभाग की योजनाओं, देवगुड़ी निर्माण, आदिवासी सांस्कृतिक दलों को सहायता, नेशनल डांस फेस्टिवल सहयोग,शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति योजना,रोजगार,राशन कार्ड वितरण तथा प्रधानमंत्री जनमन योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए श्री मण्डावी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के सभी भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि जनजातीय संस्कृति के संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए तथा रोज़गार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाया जाए। श्रम विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की योजनाओं को भी पात्र हितग्राहियों तक पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि पंजीकृत श्रमिकों को छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सहायता, मातृत्व सहायता,उपकरण वितरण एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर दिया जाए तथा जहां पंजीकरण कम है वहां विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक श्रमिकों को जोड़ने पर बल दिया। बैठक के अंत में अध्यक्ष श्री मंडावी ने सभी विभागों को मासिक प्रगति रिपोर्ट आयोग को नियमित रूप से भेजने, मैदानी स्तर पर निगरानी बढ़ाने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पहुंचाने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाएँ कलेक्टर डॉ गौरव सिंह

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में जन सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रायपुर डॉ. गौरव कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिले में कार्यरत विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के साथ बैठक आयोजित की गई। अधिकारियों द्वारा हतह प्रतिनिधियों को अभियान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं और उन्हें प्रभावी ढंग से जन जागरूकता बढ़ाने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बैठक के दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने हतह प्रतिनिधियों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, त्रुटि सुधार कराने एवं अपात्र नाम हटाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में पंजीकरण आवश्यक है। निगम आयुक्त विश्वदीप एवं जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन ने भी हतह प्रतिनिधियों से अपील की कि वे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दें और फॉर्म भरने की प्रक्रिया में सहयोग करें। बैठक में उपस्थित हतह प्रतिनिधियों ने अभियान में सक्रिय सहयोग का आश्वासन दिया तथा जागरूकता से जुड़े सुझाव भी प्रस्तुत किए। जिला प्रशासन द्वारा अभियान को सफल बनाने हेतु निरंतर मॉनिटरिंग एवं समन्वय किया जा रहा है। बैठक में निगम आयुक्त विश्वदीप एवं जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विवादित बयानों पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार, अमित बघेल को अग्रिम जमानत से राहत नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष व जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल की कानूनी मुश्किलें और गहराती नजर आ रही हैं। विवादित बयानों को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे बघेल को अदालत से फटकार झेलनी पड़ी है। अग्रिम ज़मानत के लिए दायर याचिका पर भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली ।24 नवंबर को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि *जहां-जहां स्नढ्ढक्र दर्ज है, आरोपी को वहीं की कानूनी प्रक्रिया से गुजरना होगा। बघेल की ओर से सभी स्नढ्ढक्र को एक साथ क्लब करने की मांग खारिज करते हुए कोर्ट ने तीखी टिप्पणी की—अपनी ज़ुबान संभालकर रखें। राज्य पुलिस आपको अपने-अपने राज्यों में ले जाएगी, पूरे देश की सैर का अनुभव कर लें।गौरतलब है कि अमित बघेल पिछले 26 दिनों से फरार हैं और 12 राज्यों में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज है।सुनवाई के दौरान उनके वकील ने दलील दी थी कि बघेल के बयान आवेश में दिए गए थे, इरादा किसी की भावनाएं आहत करने का नहीं था।

सारडा ग्रुप ने राइनो रॉक सॉलिड इंसुलेशन लॉन्च किया, जो भारत का सबसे ग्रीन रॉक मिनरल वूल है; सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन के लिए नया उदाहरण पेश किया

मुंबई : सारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (BSE: 504614) (NSE: SARDAEN) की सब्सिडियरी सारडा मेटल्स एंड अलॉयज लिमिटेड, ने आज सीआईआई के 23वें ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस (आईजीबीसी) 2025 में भारत का सबसे ग्रीन रॉक मिनरल वूल इंसुलेशन सॉल्यूशन राइनो लॉन्च किया। यह ग्रीन बिल्डिंग प्रोडक्ट्स और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एशिया का सबसे बड़ा सम्मेलन है, जो मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में हुआ। इस लॉन्च में उद्योग जगत के कई माननीय अतिथि और प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित थे । यह लॉन्च भारत की सस्टेनेबल बिल्डिंग मटीरियल इंडस्ट्री में परिवर्तनकारी मील का पत्थर साबित होगा। सात साल की रिसर्च, डेवलपमेंट और ग्लोबल पार्टनरशिप से बना राइनो भारत का सबसे ग्रीन रॉक मिनरल वूल है, जिसे बिना फॉसिल फ्यूल के रिफाइंड किया गया है और भविष्य के लिए इंजीनियर किया गया है। राइनो सस्टेनेबिलिटी, एनर्जी बचाने और बेहतर एफिशिएंसी को मिलाकर इंसुलेशन को नए तरीके से दिखाता है। अपने तीन वेरिएंट इलाइट, एनड्यूरो और इको-ग्रीन के साथ, राइनो अकेला ऐसा रॉक मिनरल वूल है जो बिल्डिंग, इंडस्ट्रियल और मरीन इंडस्ट्री की अलग-अलग सस्टेनेबिलिटी की उम्मीदों को पूरा करता है।

बेहतरीन फायर सेफ्टी: 1000 डिग्री सेल्सियस तक अग्नि प्रतिरोधन करता है और ज़ीरो स्मोक एमिशन होता है, जिससे सेफ्टी पक्की होती है।

बेहतरीन एनर्जी एफिशिएंसी: इंस्टीट्यूशनल, कमर्शियल और रेजिडेंशियल जगहों के लिए एनर्जी कॉस्ट में 45-50 प्रतिशत की कमी करके इंसुलेशन को नया रूप देता है।

एनवायरनमेंटल लीडरशिप: ज़ीरो फॉसिल फ्यूल इस्तेमाल से मार्केट में मौजूद प्रोडक्ट्स के मुकाबले 65 प्रतिशत तक कम कार्बन डाइऑक्साइड एमिशन होता है।

एडवांस्ड अकूस्टिक कंट्रोल: शोर को सोखने में मदद करता है, जिससे रहने और काम करने का माहौल हेल्दी और शांत बनता है।

वॉटर रेपेलेंट डिज़ाइन: इंसुलेशन परफॉर्मेंस बनाए रखते हुए नमी से बचाता है।

टेम्परेचर मैनेजमेंट: गर्मी कम करता है और कूलिंग को बेहतर बनाता है, जिससे बिल्डिंग और घर ज़्यादा देर तक ताज़गी से ठंडे रहते हैं और एनर्जी भी काफी कम खर्च होती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बसना सलखण्ड में मां महालक्ष्मी पूजन कार्यक्रम में हुए शामिल

मुख्यमंत्री ने की ग्राम सलखंड में महतारी सदन बनाने की घोषणा

■ मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को संविधान दिवस की दी बधाई

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज महासमुंद जिले के बसना तहसील अंतर्गत ग्राम सलखण्ड में ग्रामीणों द्वारा आयोजित महालक्ष्मी देवी पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने मां लक्ष्मी से प्रार्थना करते हुए प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। पूजन कार्यक्रम के दौरान पुजारियों द्वारा पारंपरिक मंत्रोच्चार किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याओं और स्थानीय विकास कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय एवं रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा भी साथ थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम सलखंड में महतारी सदन की बनाने की घोषणा की। साथ ही यहां एनीकेट निर्माण के लिए जल संसाधन विभाग को आवश्यक जानकारी जुटाकर प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पवित्र अगहन मास के अवसर पर मां महालक्ष्मी की पूजा में शामिल होकर हृदय से अत्यंत आनंद और सौभाग्य की अनुभूति हो रही है। बसना और सलखंड के ग्रामवासियों ने वर्षों से जिस भक्ति और परंपरा को जीवित रखा है, वह छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत का गौरवपूर्ण उदाहरण है।अगहन मास हमारे अंचल के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। यह मास अन्न, धन और समृद्धि का प्रतीक है। इसी समय नई फसल खेतों में लहलहाती है, और घर-परिवार में सम्पन्नता के द्वार खुलते हैं। मां महालक्ष्मी जीवन में केवल धन ही नहीं, बल्कि सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और सदभाव का आशीर्वाद भी प्रदान करती हैं। इसी भावना के साथ हम सभी इस पूजन में शामिल होते हैं। उन्होंने मां लक्ष्मी से राज्य के

प्रत्येक नागरिक के लिए सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, सुरक्षित वातावरण और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए संकल्पित हैं। सलखंड गांव की यह 25 वर्षों से चल रही परंपरा न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और सामुदायिक जागरूकता का भी उदाहरण है। यहां आयोजित मेला ग्रामीण संस्कृति, लोकाचार और पारंपरिक विरासत को आगे बढ़ाने का माध्यम बन चुका है। मुख्यमंत्री श्री साय ने संविधान की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रनिर्माण में जनभागीदारी के महत्व को बताते हुए कहा कि संविधान हमारे अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों की भी याद दिलाता है और यही दस्तावेज भारत को एक सशक्त, एकजुट और प्रगतिशील राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ने की दिशा देता है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ निर्माण समिति के सदस्यों के ऐतिहासिक योगदान का सम्मानपूर्वक उल्लेख किया और कहा कि समिति की दूरदृष्टि एवं प्रयासों ने आज के मजबूत और विकसित होते छत्तीसगढ़ की नींव रखी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के अग्रसर लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और आवास निर्माण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को 18 लाख आवासों की स्वीकृति इसी संकल्प की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत छत्तीसगढ़ की लगभग 70 लाख महिलाओं को लाभ प्रदान किया जा रहा है, जो महिलाओं के सम्मान और आर्थिक मजबूती की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

चाकूबाजी कर फरार हुए दो आरोपी पकड़े गए......

रायपुर/ संवाददाता

जिले की लालबाग थाना पुलिस ने शराब पीने के लिए पैसे देने से मना करने पर एक व्यक्ति पर धारदार चाकू से हमला कर फरार होने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 22/10/2025 को प्रार्थी मुकेश साहू पिता स्व.लेखराम साहू उम्र 32 साल निवासी ग्राम जंगलपुर थाना लालबाग जिला राजनांदगांव ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 22/10/2025 को अपने साथियों जागेश्वर साहू, निक्कु साहू, भागीरथी साहू, महेन्द्र साहू के साथ ई रिक्शा में बैठकर जंगलपुर से एबीस ग्रीन होटल में काम करने राजनांदगांव जा रहे थे कि रेवाडीह नया शराब भटटी बाईपास रोड के पास ई रिक्शा रोककर जागेश्वर साहू शराब लेने के लिए भटटी गया। शराब भटटी के पास 5-6 व्यक्ति सामने से आये और जागेश्वर से शराब पीने के लिए पैसा मांगे और जागेश्वर द्वारा पैसा नही देने पर आरोपीगण द्वारा हाथ मुक्का से मारपीट करने लगा जिसे देखकर प्रार्थी एवं अन्य लोग बीच बचाव करने लगे तो उनमें से एक व्यक्ति द्वारा अपने पास रखे धारदार हथियार से हमला करने से प्रार्थी एवं उनके साथियों के सिर, चेहरा एवं जांग में चोट पहुचाया है कि रिपोर्ट पर धारा-119, 115(2), 118(1), 191(2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक महोदया सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देषन, अति.पुलिस अधीक्षक महोदय राहुल देव शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदय आईपीएस वैशाली जैन के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी लालबाग के नेतृत्व में मामले की गंभीरता को लेते हुए घटना स्थल नया शराब भटटी रेवाडीह में लगे सी.सी.टी.व्ही फुटेज को चेक किया गया। जो दिनांक 22/10/2025 के शाम प्रार्थी एवं उनके साथियों के साथ 7-8 लोग मारपीट झगडा लडाई करते स्पष्ट दिख रहे है। जिसमें से घटना में शामिल नाबालिक की पहचान होने पर उनसे घटना के संबंध में पूछताछ किया।

टायर ट्यूब चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

रायपुर। प्रार्थी रंजीत सिंह भाटिया पिता सुरजीत सिंह भटिया उम्र 48 वर्ष साकिन बल्देवबाग राजनांदगांव द्वारा लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका नौकर टिकेश्वर साहू पिता गंगाराम साहू निवासी भांठागांव पुलिस चौकी चिखली जिला राजनांदगांव (छग) द्वारा घटना दिनांक 02/09/25 से 20/11/25 के मध्य इसके गुरूद्वारा रोड़ राजनांदगांव स्थित अंकाली सायकल स्टोर से करीब 150 नग मोटर सायकल के टायर व ट्यूब, चैन स्पाकेट किमती करीबन 3,00,000 रूपये को चोरी कर ले जाना बताया। कि रिपोर्ट पर आरोपी के खिलॉफ अप0क्र0 721/25 धारा 306 बीएनएस कायम कर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

सांसद बृजमोहन ने उठाई मरीजों की सुरक्षा की बड़ी बात

एक्सपायरी दवाओं के राष्ट्रीय निस्तारण नीति की जोरदार वकालत-बृजमोहन...

■ दवाइयों पर 'एक राष्ट्र-एक दाम' की मांग उठाने वाले देश के पहले सांसद बने बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। संवाददाता

रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने दवाइयों पर 'एक राष्ट्र-एक दाम' की मांग की है। सोमवार को नई दिल्ली में रसायन और उर्वरक संबंधी संसदीय स्थायी समिति की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने तथा आम नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए कई मौलिक, दूरदर्शी और जनकल्याणकारी सुझाव रखे, जिन्हें समिति ने अत्यंत गंभीरता से सुना। बैठक में देश में दवाओं की कीमतों में वृद्धि के विशेष संदर्भ में एनपीपीए की भूमिका, कार्यों और कर्तव्यों की समीक्षा हुई। इस दौरान औषध विभाग एवं एनपीपीए के उच्च अधिकारियों ने समिति के समक्ष मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत किया। देश में दवाइयों के 'एक राष्ट्र-एक दाम' की आवश्यकता पर जोर बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान में अलग-अलग राज्यों में दवाइयों की खरीद अलग-अलग दरों पर होती है, जिससे न केवल व्यवस्था जटिल होती है बल्कि मरीजों की सुविधा भी प्रभावित होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि, देश में दवाइयों की खरीदी का सिस्टम एक जैसा हो और केंद्र स्तर पर एकीकृत व्यवस्था बने। इससे पूरे देश में दवाइयों का एक दाम तय हो और राज्यों को बार-बार अलग-अलग टेंडर नहीं करने पड़ें। यह व्यवस्था मरीजों को दवाई की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी और पारदर्शिता को बढ़ाएगी। उनका यह सुझाव स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़े सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

माकड़ी ब्लॉक में 100 पीएम सूर्यघर का सफल इंस्टालेशन

■ कोण्डागांव जिला बन रहा सौर ऊर्जा का नया हब

रायपुर। संवाददाता

सोलर उर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। कोंडागांव जिले का माकड़ी ब्लॉक आज पूरे बस्तर संभाग में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक नया केन्द्र बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हर घर सोलर विज़न को वास्तविक रूप देने वाली पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने इस क्षेत्र में न केवल सुलभ ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित की है, बल्कि इससे ग्रामीण जीवन में बड़ा बदलाव आया है। डिस्ट्रिब्यूशन सेंटर मॉकडी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 100 घरों में रूफ्टॉप सोलर सिस्टम को सफलतापूर्वक ग्रिड से सिंक्रोनाइज करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है, जो साबित करती है कि दूरस्थ और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भी सौर ऊर्जा अपनाने की जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अब तक जिले में कुल 284 घरों में सोलर पैनल लग चुका है, जिसमें 50 से अधिक इंस्टॉलेशन सिर्फ ग्राम माकड़ी में ही किए गए हैं। उक्त योजना के तहत घरों की छतों पर स्थापित सोलर पैनल से घरेलू खपत की पूर्ति में सक्षम होते हैं और बिजली की अतिरिक्त उत्पादन से आय भी प्राप्त कर सकते हैं। इस पहल की सबसे बड़ी बात यह है कि केंद्र और राज्य शासन की संयुक्त सब्सिडी ने ग्रामीण परिवारों के लिए सोलर सिस्टम लगवाना बेहद आसान कर दिया है। केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली बड़ी सब्सिडी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य शासन भी अतिरिक्त आर्थिक सहायता प्रदान करता है। यह सब्सिडी सीधे डीबीटी के माध्यम से उपभोक्ता के बैंक खाते में जमा होती है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सरल और भरोसेमंद बन गई है। माकड़ी ब्लॉक में सौर ऊर्जा अपनाने के बाद परिवारों के जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन आए हैं। बिजली बिलों में भारी कमी आई है, कई घरों में मासिक बिल लगभग शून्य होने लगा है। ग्रिड-कनेक्शन होने की वजह से ग्रामीणों को दिन-रात स्थिर बिजली उपलब्ध हो रही है।

जन चेतना भारत पार्टी छत्तीसगढ़वासियों के विकास के लिए गांव शहर में जागरूकता अभियानी चलाएगी : चावला

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक नई पार्टी जन चेतना भारत पार्टी का उदय हुआ है। उक्त पार्टी के संस्थापक सदस्य जसवीर सिंह चावला बिलासपुर जयंत गायधने रायपुर एवं अभिषेक बाफ ना महासमुंद ने प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में संयुक्त रूप से बताया कि विगत 75 सालों में राष्ट्रीय स्तर की पार्टी भाजपा और कांग्रेस ने छत्तीसगढ़वासियों का सर्व शोषण किया है। आजादी के बाद से आम छत्तीसगढ़वासी आज भी अपने मूल अधिकारों से वंचित हैं। जनचेतना भारत पार्टी राजनैतिक एवं सामाजिक रूप से प्रदेश के गांवों एवं शहरों में जन जागरूकता अभियान चलाकर चुनाव में काम करने वाले प्रत्याशियों को भी चुनने के लिए प्रेरित करेगी। वार्ताकारों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में ईश्वर ने जो खनिज संपदा दी है, उसका यहां के लोग समुचित रूप से उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, जिसकी वजह से जो विकास आम छत्तीसगढ़ियों का होना था, वह नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी जनता की मूलभूत सुविधाओं यथा शराब एवं नशीले पदार्थों का सेवन खत्म करने, असीमित भ्रष्टाचार को रोकने, नकली दवाईयों का निर्माण रोकने।

सुगम धान खरीदी से निश्चिंत किसान संतराम ने शासन प्रशासन को दिया धन्यवाद

■ मोबाईल एप्प से टोकन की सुविधा मिलने तथा केन्द्र में की गई सुगम व्यवस्था के लिए शासन प्रशासन का जताया आभार

रायपुर/ संवाददाता

बालोद जिले के धान खरीदी केन्द्र पैरी में इस वर्ष की गई सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं से किसान बेहद संतुष्ट हैं। समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने पहुंचे किसान श्री संतराम साहू ने कहा कि शासन - प्रशासन द्वारा इस बार की गई तैयारियाँ पहले से कहीं अधिक बेहतर और सुविधाजनक हैं। मोबाइल तुंहर टोकन ऐप से सहज रूप से टोकन प्राप्त करने से लेकर खरीदी केन्द्र में सुचारू रूप से धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया किसानों के लिए सरल हो गयी है। लगभग ढाई एकड़ में खेती करने वाले किसान संतराम ने बताया कि इस वर्ष उनकी फसल अच्छी हुई, उत्पादन भी अधिक रहा और खरीदी केन्द्र में उन्हें बिना किसी समस्या के तुरंत तौल और भुगतान की प्रक्रिया शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि पहले टोकन कटाने की चिंता लगी रहती थी, लेकिन अब मोबाइल से ही घर बैठे टोकन मिल जा रहा है और केन्द्र में सारी व्यवस्था इतनी अच्छी है कि धान बेचने में बिल्कुल परेशानी नहीं होती। खरीदी केन्द्र पैरी में किसानों के लिए पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त बारदाना, हमाल और तौल मशीन जैसी सभी मूलभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इन सुविधाओं के चलते किसान संतराम जैसे अनेक किसानों का अनुभव इस वर्ष पूरी तरह सहज और संतोषजनक रहा है। किसान संतराम ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की किसान हितैषी नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ 21 क्विंटल की खरीदी सीमा ने किसानों का भविष्य और अधिक सुरक्षित व समृद्ध बनाया है।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के प्रभारी सचिव श्री पीएस एल्मा ने धान उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के प्रभारी सचिव एवं संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्री पीएस एल्मा द्वारा आज एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति भी उपस्थित रहीं। प्रभारी सचिव श्री पीएस एल्मा ने अपने प्रवास के दौरान ग्राम खरदी के धान उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके पश्चात ग्राम एकटकन्हार धान उपार्जन केंद्र पहुंचे।

वनांचल की दिव्यांग आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को उपमुख्यमंत्री ने दिलाई स्कूटी

सुनीता बोली ट्रायसायकल के पैडल ओटते दुखता था हाथ,स्कूटी के रूप में मुझे नया हौसला मिला..

रायपुर/ संवाददाता

जन्म से ही पैरों से लाचार वनांचल गांव धामिनडीह की आदिवासी युवती सुश्री सुनीता धुर्वे जो कि नित्य ही की अनेकानेक कठिनाइयों के बाद भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के तौर पर गांव की सेवा करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं, उन्हें स्कूटी प्रदान कर उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा के स्थानीय विधायक श्री विजय शर्मा ने बड़ा हौसला दिया है। सुनीता ने गत 16 नवम्बर को रेंगाखार पहुंचे श्री शर्मा को अपनी शारीरिक स्थिति और दैनिक जीवन की कठिनाइयों से अवगत कराते हुए स्कूटी दिलाने के लिए एक आवेदन सौंपा था। ठीक 10 दिन बाद ही उन्हें नई स्कूटी मिल गई। बुधवार 26 नवंबर को कवर्धा

विधायक कार्यालय में उपमुख्यमंत्री व स्थानीय विधायक श्री विजय शर्मा ने जब स्कूटी प्रदान की तो सुनीता धुर्वे की खुशी का ठिकाना नहीं था। सुनीता ने कहा कि वे जन्म से ही दिव्यांग हैं और अपने पैरों से चलने में असक्षम हैं। विगत 9 वर्षों से विकासखंड बोड़ला के ग्राम धामिनडीह में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत हैं, उन्हें अपने कार्य करते वक्त आने-जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ता था। जहां किसी योजना की रिपोर्टिंग हो या कोई मीटिंग उन्हें गांव से 40 किमी की दूरी पर स्थित चिल्फी परियोजना कार्यालय तक दूसरों की सहायता से जाना पड़ता था। एक महिला होने के नाते सहायता के लिए दूसरों पर निर्भर रहना उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो गया था, जिससे समय पर कार्य संपादन भी प्रभावित होता था। पहले ट्रायसायकल मिली थी, लेकिन उसके पैडल ओटते हाथ में दर्द में दर्द भर जाता था। भावुक होते हुए सुनीता ने कहा कि, 16 नबम्बर को विजय भैया जब रेंगाखार जंगल में आए थे, तब मैंने उन्हें अपनी व्यथा बताई। विजय भैया ने मेरी बातों को गंभीरता से सुना। मैं कुछ मांगती उसके पहले ही उन्होंने अधिकारी से चर्चा कर मुझे सहायक उपकरणों सहित स्कूटी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आज उन्होंने मुझे स्कूटी प्रदान कर दी। मैं उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की बहुत आभारी हूँ जो उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए मुझे तुरंत सहयोग किया।

संपादकीय

जनादेश 'अच्छे दिनों' का प्रमाण

एक के बाद एक चुनावी जीत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार और राजनीति को वह निरंतरता दी हुई है, जिसका हिसाब से यह नैरेटिव बनना चाहिए कि मोदी सरकार का काम बोल रहा है। जनादेश 'अच्छे दिनों' का प्रमाण है। पर क्या चुनाव नतीजों की चर्चा में इस तरह की कोई पुण्यता है? जबकि नैरेटिव और मीडिया पूरी तरह सत्ता के कहने में है। बावजूद इसके 'अच्छे दिनों' की दुहाई देने का किसी के भी पास वह आधार नहीं है, जिससे सचमुच लगे कि चुनावी जीत 'अच्छे दिन' की बदौलत है। बिहार में लालकिले के आगे यदि विस्फोट की गूंज थी तो मेरा मानना है वह तो असुरक्षा, चिंता और भय की था न कि अच्छी फीलिंग।

चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह व भाजपा, एनडीए का प्रमुख सुर लोगों को लालू यादव का जंगल राज याद कराना था। या घुसपैठियों को निकाल बाहर करने व हिंदू-मुस्लिम नैरेटिव को सुलगाना। ऑपरेशन सिंदूर हो या राहुल गांधी को पप्पू बताने से लेकर माता जानकी मंदिर बनाने की तमाम वे बातें थीं, जिनका मतदाता की रोजमर्रा की जिंदगी से नाता नहीं है। फिर भी नीतीश-भाजपा के एनडीए एलायंस की छप्पर फाड़ जीत है। इसलिए यह बहुत जल्द वैसे ही बासी हो जाएगी जैसे महाराष्ट्र, हरियाणा की चुनावी विजय का हस्त्र है। दस-पंद्रह दिन बाद फिर राहुल गांधी, विपक्ष से चुनाव आयोग, ईवीएम मशीन और धांधलियों का रोना रोता मिलेगा। दिसंबर में जब संसद का सत्र शुरू होगा तो इन्हीं बातों के हंगामे में वह स्वाहा!

मतलब महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड के चुनावों के बाद पक्ष-विपक्ष का जो राजनीतिक नजारा था वह ढर्रा जस का तल चलता रहेगा। मोदी सरकार-भाजपा भी 2026 के शुरू होते ही उत्तर प्रदेश, बंगाल, तमिलनाडु के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए फिर वही ए टू जेड फॉर्मूलों (घोषणाओं, सरकारी खजाना खोल पैसा बांटने, जंगल राज, हिंदू-मुस्लिम, आतंकी धमाकों, विपक्ष को तोड़ने-बांटने आदि, आदि) के रोडमैप बनाने में जुटेगी।

बिहार के नतीजों के बाद अनुमान लगा सकते हैं कि विपक्ष के बिखरे वोटों की वजह से विरोधी पक्ष नतीजों को लेकर अविश्वास की गांठ बांधे रहने वाला है। मोदी-भाजपा विरोधी जितने भी वोट हैं वे बिहार के बाद और अधिक अविश्वास में चुनाव नतीजों पर गौर करेंगे। सरकार, चुनाव आयोग पर पहले की तरह ठीकरा फूटेगा।

यही भारत के लोकतंत्र में आधी से ज्यादा आबादी का अब स्थायी तौर पर पकता सियासी मनोभाव है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ठाना हुआ है कि जब से मैं (गुजरात से) जीत रहा हूं, मेरी स्वीकार्यता है तो साथ ही अस्वीकार्यता भी है। मुझे क्या फर्क पड़ रहा है? मेरे अपने अच्छे दिन है वही परम उपलब्धि है। भला लोकतंत्र, राजनीति और राष्ट्र-राज्य की सेहत के दिनों की क्या चिंता।

लाल ग्रह दिवस

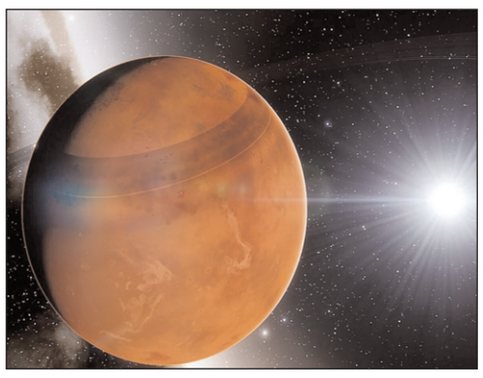

दूर गगन में लाल सितारा, चमके रात अंधेरी में,
मंगल ग्रह है नाम तुम्हारा, बसते हो अंबर घेरी में।
लाल मिट्टी की धरा तुम्हारी, जंग से रंगी कहानी है,
अरबों वर्षों की यात्रा में, छुपी तुममें पुरानी है।
आज मनाएं लाल ग्रह दिवस, याद करें वो पल सुनहरे,
जब मानव ने सपना देखा, तुम पर बसने के फेरे।
पृथ्वी के सबसे करीब पड़ोसी, रहस्यों से भरा खजाना,
तुम्हारी खोज में निकले हम, तुम्हें अपना बनाना।
ओलंपस मोंस पर्वत विशाल, मैरिनर घाटी गहरी अपार,
फोबोस-डिमोस दो चांद तुम्हारे, घूमते सदा बेशुमार।
कभी तुम पर भी जल बहता था, नदियां करती थीं कलकल,
अब बस बर्फीले ध्रुवों में बची, जल की थोड़ी संभल।
मैरिनर, वाइकिंग, पाथफाइंडर ने, तुम्हें पास से देखा,
क्यूरियोसिटी, पर्सिवियरेंस ने, तुम्हारा सच परखा।
भारत का मंगलयान गर्व हमारा, पहले प्रयास में सफलता पाई,
इसरो ने रच दिया इतिहास नया, दुनिया को राह दिखाई।
तुम्हारी मिट्टी में मीथेन गैस की, मिली है हल्की सी गंध,
क्या सूक्ष्म जीवाणु छुपे हैं तुममें, यह प्रश्न है अनबंध।
प्राचीन झीलों के निशान मिले हैं, जीवन की आशा जगी,
मानव का सपना साकार होगा, नई सभ्यता सजी।
एलन मस्क का सपना बड़ा है, लाखों को बसाना तुम पर,
नासा की योजना भी देखे, मानव कदम तुम्हारे ऊपर।
हे युवा वैज्ञानिकों इंजीनियरों, तुम्हीं हो भविष्य के निर्माता,
मंगल की यात्रा के सपने को, तुम्हीं करोगे साकार भ्राता।
गणित और विज्ञान को अपनाओ, जिज्ञासा को रखो जगाए,
असफलता भी एक सीख है, हर प्रयास नया कदम उठाए।
पर धरती को ना भूलो कभी, यह है मातृभूमि हमारी,
दोनों ग्रहों पर जीवन फले-फूले, जिम्मेदारी सबकी सारी।
लाल ग्रह दिवस पर याद करें, मानव साहस और निश्चय को,
असंभव को संभव बनाने की, अदम्य इच्छाशक्ति लक्ष्य को।
तारों भरे आकाश को देखो, सपने बुनो निर्भय होकर,
मंगल की लाल धरती पर, इंसान चलेगा एक दिन ठोकर।
ओ लाल ग्रह मंगल तुम्हें, हम करते हैं नमन विनम्र,
तुम्हारे रहस्यों को जानने का, संकल्प है हमारा दृढ़ सुदृढ़।
यह दिवस मनाएं उत्साह से, जश्न मनाएं विज्ञान का,
लाल ग्रह है प्रतीक हमारा, मानवता के विस्तार का।
जय विज्ञान! जय अन्वेषण! जय मानवता का सपना!
धन्य हो वे सब वैज्ञानिक, जिन्होंने दिखाया रास्ता अपना!

- वासवी राजू बरडे, नागपुर, महाराष्ट्र

आखिर भारतीय संविधान से अपेक्षित मौलिक संशोधन कबतक? समझिए कितने हैं जरूरी?

कमलेश पांडे

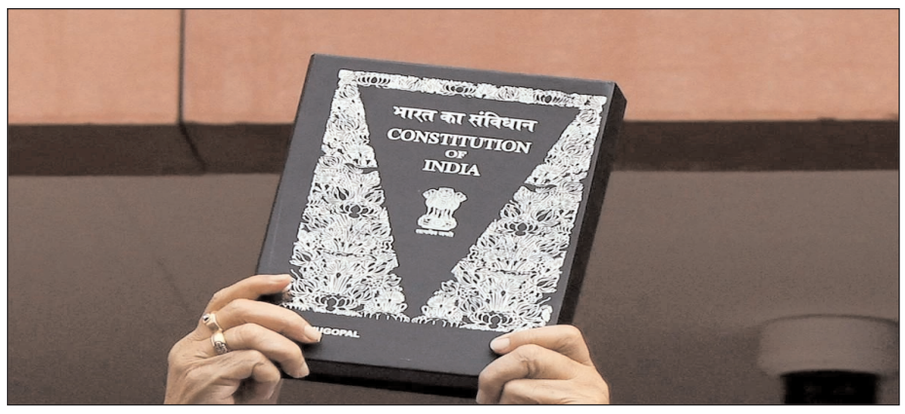

भले ही भारतीय संविधान ने देश-काल-पात्र के परिप्रेक्ष्य में हम भारतीयों को बहुत कुछ दिया है, फिर भी इससे और अधिक लेने की अपेक्षा रखना लाजिमी है। इस दिशा में सुलगता हुआ सवाल यही है कि आखिर सिस्टम पर विगत लगभग आठ दशकों से कुंडली मार कर बैठने वाले लोगों या उनके उत्तराधिकारियों-परिजनों ने, जिसमें संविधान की आरक्षण व्यवस्था द्वारा पैदा किये हुए राजनीतिक, प्रशासनिक, न्यायिक और मीडियागत के 'अभिजात्य वर्गों' के विधिक शोषण से उनके ही वर्ग या समाज के संघर्षरत अन्य लोगों को आखिर मुक्ति कब तक मिलेगी!

इतना ही नहीं, नियम कानून द्वारा इस देश में असली समाजवाद, समानतावाद और समरसतावाद कब तक लाया जाएगा? वहीं, पूरी व्यवस्था पर हावी होते परिवारवाद और सम्पर्कवाद को कब और कैसे हतोत्साहित किया जाएगा? चाहे अल्पसंख्यक वाद हो या पंथनिरपेक्षता/धर्मनिरपेक्षता का सवाल, इसे व्यवहारिक अमलीजामा कब तक पहनाया जाएगा? वहीं, पाकिस्तान-बंगलादेश के मुकाबिल इसे तुलनात्मक रूप से कबतक लागू करवाया जाएगा?

खास बात यह कि इस दिशा में सहयोगी साबित हो रहे द्विअर्थी कानूनों को आखिर कैसे और कबतक बदला जाएगा? वहीं, बहुमतधारी राजनेताओं द्वारा अल्पमत का धड़ल्ले से किये जा रहे उत्पीड़न को आखिर कैसे रोका जाएगा? वहीं, योग्यता के ऊपर अयोग्यता को कबतक थोपा जाता रहेगा? क्योंकि किसी भी सभ्य व सुसंस्कृत समाज में ऐसी विधिक विडंबनाओं के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, ऐसा मेरा और मेरे जैसे लोगों का स्पष्ट मानना है।

साथ ही, पेशेवर संस्थाओं को भी क्षुद्र सियासत के मकड़जाल से शीघ्र मुक्त करवाना भी बदलते वक्त की मुखर मांग है, ताकि नीतिगत घालमेल को रोका जा सके। यही वजह है कि भारतीय संविधान में व्यापक सुधार के लिए कतिपय प्रमुख संशोधन बहुत जरूरी समझे जा रहे हैं।प्रासंगिक सवाल है कि आखिर भारतीय संविधान से अपेक्षित मौलिक संशोधन कबतक होंगे? यहां पर विस्तार पूर्वक समझिए कि ये अब कितने जरूरी बन चुके हैं? क्योंकि कानूनी स्थितियों के लाभ उठाते हुए कुछ अमीर लोग भी वास्तविक दलितों-पिछड़ों के हक मार रहे हैं। इसलिए कतिपय संवैधानिक सुधार बहुत जरूरी समझे जाते हैं।

दरअसल, संवैधानिक संशोधन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, त्वरित और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है ताकि वर्तमान समय की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों के अनुरूप पूछा जा सके। संशोधन प्रक्रिया में लचीलापन बढ़ाकर संविधान को और अधिक सामयिक बनाया जा सकता है। तत्सम्बन्धी बहुमूल्य सुझावों पर गौर किया जाना चाहिए, जिनमें निम्नलिखित बिंदु महत्वपूर्ण हैं:-

पहला, संविधान में संशोधन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाना चाहिए, ताकि राजनीति से ऊपर उठकर व्यापक राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दी जा सके। संवैधानिक संशोधनों में नागरिक समाज और विभिन्न दलों की भागीदारी सुनिश्चित हो। वहीं, नीति निर्देशक सिद्धांतों को संविधान में और मजबूती देने तथा उनके अनुपालन को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है ताकि सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को बेहतर तरीके से संवैधानित किया जा सके।

दूसरा, मौलिक अधिकारों की रक्षा और उनका विस्तार करना जरूरी बताया गया है, साथ ही नागरिक स्वतंत्रताओं को मजबूत करने के लिए संवैधानिक प्रावधानों को सुधारा जाना चाहिए। संविधान के मूल ढांचे की रक्षा के साथ-साथ वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक आवश्यकताओं के अनुरूप संवैधानिक प्रावधानों में सुधार आवश्यक है, जैसे कि मौलिक अधिकारों का सशक्तीकरण एवं आपातकालीन प्रावधानों की सीमाओं का पुन: मूल्यांकन। नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों और संवैधानिक नैतिकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के माध्यम से संवैधानिक नैतिकता को प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

तीसरा, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए न्यायपालिका सुधारों की मांग है, ताकि संवैधानिक मूल्यों का संरक्षण प्रभावी तरीके से हो। न्यायपालिका की स्वतंत्रता और जवाबदेही दोनों को मजबूत करना, साथ ही न्यायालयों की कार्यप्रणाली को तीव्र और प्रभावी बनाना आवश्यक है।

चतुर्थ, संघीय ढांचे को मजबूत करते हुए राज्यों को अधिक स्वायत्तता प्रदान करना, ताकि स्थानीय समस्याओं का बेहतर समाधान हो सके और केंद्र के अतिक्रमण को रोका जा सके। संघीयता के संतुलन को सुधारने हेतु केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का पुनर्वितरण आवश्यक है, जिससे राज्यों की स्वायत्तता और निर्णायक शक्तियाँ बढ़ सकें तथा संघीय संकट कम हो। पंचम, सामाजिक न्याय और समावेशन के लिए विशेष वर्गों के अधिकारों की पुन: समीक्षा, जिससे वे संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप रहें और सामाजिक एकता बनी रहे। छठा, डिजिटल युग में संविधान की प्रासंगिकता बनाए रखने हेतु नई तकनीकों को ध्यान में रखते हुए डेटा सुरक्षा, निजता और सूचना के अधिकार जैसे विषयों पर नए प्रावधान शामिल किए जाएं। सप्तम, आपातकालीन प्रावधानों के दुरुपयोग को रोकने के लिए संवैधानिक व्यवस्था में स्पष्ट और सीमित प्रावधान रखने की सलाह दी जाती है ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रक्षा हो सके।

मेरा स्पष्ट मानना है कि ये बहुमूल्य सुझाव भारतीय संविधान को अधिक गतिशील, समावेशी और समय के साथ विकसित होते रहने वाला दस्तावेज़ बनाएंगे, जिससे यह देश के लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के लिए बेहतर कार्य करेगा। ये सुझाव संविधान की गतिशीलता और प्रभावशीलता बढ़ाने के साथ ही लोकतांत्रिक और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक माने जा रहे हैं। संविधान की समय-समय पर समीक्षा एवं आवश्यक संशोधन इस प्रक्रिया का अहम हिस्सा हैं।

भारतीय संविधान में प्राथमिकता के साथ अपेक्षित संशोधन निम्नलिखित हो सकते हैं-:- जहां तक भारतीय संविधान में प्राथमिकता के साथ संशोधन किए जाने वाली संवैधानिक धाराओं का सवाल है तो उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं: पहला, अनुच्छेद 19 (मौलिक अधिकार) की धाराएं, खासकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ी धाराएं, जिन्हें सामाजिक व राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से उचित संशोधनों की आवश्यकता है।

दूसरा, अनुच्छेद 368, जो संविधान संशोधन की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है, ताकि संशोधन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, लचीली और लोकतांत्रिक बने।

तीसरा, अनुच्छेद 15, 16, और 17, जो समानता और सामाजिक न्याय से संबंधित हैं, इनका संशोधन सुनिश्चित करता है कि सामाजिक भेदभाव के खिलाफ संवैधानिक सुरक्षा बनी रहे।

चतुर्थ, अनुच्छेद 85, 87, 174, 176, 341, और 342, जो संसदीय सत्र, राज्यों के पहचान और विशेष दर्जे से संबंधित हैं, जिन्हें संघीय संतुलन के लिए प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

पंचम, अनुच्छेद 124 (राजद्रोह) और संबंधित धारा 153, 295, 505 दंड संहिता के, जो कानून और व्यवस्था से जुड़े संवेदनशील प्रावधान हैं, इनमें संशोधन से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना जरूरी है।

मेरा स्पष्ट मानना है कि उपर्युक्त कुछेक धाराएं इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनके संशोधन से मौलिक अधिकारों की रक्षा, संघीयता का सटीक संतुलन, और संवैधानिक प्रक्रिया की मजबूती सुनिश्चित होती है। साथ ही, संविधान की बुनियादी संरचना को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि लोकतंत्र, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और नागरिकों के मूल अधिकार सुरक्षित रहें।

मौलिक अधिकारों में संशोधन की आवश्यकता- जहां तक मौलिक अधिकारों में संशोधन की आवश्यकता का सवाल है तो यह बताया जाता है कि मौलिक अधिकारों में संशोधन मुख्य रूप से उन धाराओं में होती है जो समय के साथ सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप नहीं रह पातीं या जिनमें स्पष्टता, सुरक्षा, और नागरिकों के अधिकारों की मजबूती की जरूरत होती है। इस दृष्टिकोण से मुख्य संशोधन की ज़रूरत निम्नलिखित धाराओं में महसूस की जाती ती है:

पहला, अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार): इसे समय के बदलते सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य से जुड़े खतरों के मद्देनज़र और अधिक व्यापक और विस्तृत बनाने की जरूरत है।

दूसरा, अनुच्छेद 19 (मुक्ति के अधिकार): विशेष रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर नए सामाजिक और डिजिटल युग के संदर्भ में सीमाओं और जिम्मेदारियों के पुनर्निर्धारण की आवश्यकता है।

तीसरा, अनुच्छेद 15, 16 और 17 (भेदभाव की निषेध और समानता से संबंधित प्रावधान): सामाजिक न्याय और समावेशन के लिए इन धाराओं को और मजबूत करने और आधुनिक सामाजिक असमानताओं को दूर करने के लिए संशोधन आवश्यक हैं।

चतुर्थ, अनुच्छेद 32 (नागरिकों को न्यायालयों के समक्ष मूल अधिकारों का संरक्षण): इसे और अधिक प्रभावी और त्वरित बनाने की जरूरत है ताकि नागरिकों को समय पर संरक्षण मिल सके।

पंचम, अनुच्छेद 25 से 28 (धर्म की स्वतंत्रता से संबंधित प्रावधान): धर्मनिरपेक्षता की भूमिका को बचाए रखने के लिए इन धाराओं को संवैधानिक संदर्भ में पुन: स्पष्ट करना जरूरी है। सामाजिक, तकनीकी और वैश्विक चुनौतियों के चलते इन धाराओं के संशोधन से मौलिक अधिकारों को आधुनिक परिस्थिति के अनुरूप सशक्त बनाया जा सकता है, जिससे संविधान की प्रासंगिकता और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

भारतीय संविधान संशोधन की वैधानिक प्रक्रिया - बताते चलें कि भारतीय संविधान संशोधन की वैधानिक प्रक्रिया अनुच्छेद 368 के तहत निर्धारित है। इसमें संशोधन प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में लाया जा सकता है और उसे दो-तिहाई बहुमत द्वारा पारित किया जाना चाहिए। वहीं, संघीय ढांचे से संबंधित संशोधनों के लिए कम से कम आधे राज्यों की विधानसभाओं की सहमति भी आवश्यक होती है। इसके पश्चात राष्ट्रपति की मंजूरी से संशोधन विधि रूप में लागू होता है। इस प्रक्रिया में राष्ट्रपति को विधेयक को रोकने या पुनर्विचार के लिए संसद को वापस भेजने का अधिकार नहीं है।

विधिक बाधाओं में यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के मूल ढांचे का सिद्धांत स्थापित किया है, जिसके अनुसार कोई भी संशोधन यदि संविधान के मूल स्वरूप को बदल देता है, वह अमान्य माना जाएगा। न्यायपालिका के पास संविधान संशोधनों की न्यायिक समीक्षा का अधिकार है, जिससे वह यह तय कर सकती है कि संशोधन संविधान के मूल तत्त्वों के अनुकूल है या नहीं। इस न्यायिक समीक्षा ने संसद के संशोधन अधिकारों पर एक महत्वपूर्ण सीमा लगाई है।

इसके अलावा, संशोधन प्रक्रिया की कठोरता भी एक बाधा है क्योंकि कई आवश्यक सुधारों और संशोधनों को पारित करने में इसे चुनौतीपूर्ण बना देती है। कभी-कभी राजनीतिक मतभेद और राज्यों की असहमति भी प्रक्रिया को धीमा कर देती है। परिणामी रूप से संविधान में आवश्यक बदलाव समय से नहीं हो पाते या विवाद का विषय बन जाते हैं। इस प्रकार, संविधान में संशोधन की वैधानिक प्रक्रिया सुदृढ़ और न्यायिक रूप से नियंत्रित है, जबकि इसके सामने विधिक और राजनीतिक बाधाएं भी मौजूद हैं जिन्हें संतुलित रूप से संभालना अनिवार्य है।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुधांशु कुमार चौधरी बताते हैं कि संशोधन प्रस्ताव पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का प्रभाव यह होता है कि कोर्ट संविधान के मूल ढांचे की रक्षा करता है और संशोधनों की न्यायिक समीक्षा करता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है कि संसद को संविधान संशोधित करने का पूर्ण अधिकार है, जिसका विस्तार प्रस्तावना तक है। हालाँकि, यह संशोधन संविधान के मूल स्वरूप या मूल संरचना को प्रभावित नहीं कर सकता। उदाहरण के तौर पर, 42वें संशोधन में संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को शामिल करने की वैधता को कोर्ट ने बरकरार रखा, यह मानते हुए कि ये शब्द संविधान की मूल संरचना को नहीं बदलते।

आत्मनिर्भर भारत के लिए श्रम सुधार

डॉ. मनसुख मांडविया

कई दशकों तक भारत कमज़ोर आर्थिक विकास, गहरे भ्रष्टाचार और रोज़गार सृजन व श्रमिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के अभाव से जूझता रहा। राजनीतिक उद्देश्यों से होने वाले घेराव और बंदी ने बार-बार औद्योगिक गतिविधियों को बाधित किया, निवेश को रोका और व्यवस्था में विश्वास को कम किया। यह दुख की बात है कि पिछली सरकारों ने श्रमिक कल्याण को केवल नारों तक सीमित कर दिया और श्रमिकों के वास्तविक मुद्दों को गंभीरता से लेने में विफल रहीं।

इस जड़ता को तोड़ने के लिए देश के नेतृत्व में एक बड़ा बदलाव जरूरी था। लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'श्रमेव जयते' का आह्वान किया और कहा कि भारत की विकास यात्रा के केंद्र में श्रम की गरिमा यानी मजदूरों का सम्मान होना चाहिए। यह केवल एक नारा नहीं था, बल्कि एक नई राष्ट्रीय सोच की शुरुआत थी, जिसमें नीतियां बनाते समय श्रमिकों को केंद्र में रखा गया।

ऐसे बदलाव की जरूरत बहुत समय से महसूस की जा रही थी। भारत के ज़्यादातर श्रम कानून 1920 से 1950 के बीच बने थे और उनमें औपनिवेशिक सोच की झलक रहती थी। दूसरी ओर, दुनिया में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल चुका था। गिग और प्लेटफ़ॉर्म अर्थव्यवस्था का बढ़ना, डिजिटल कामकाज, लचीली कार्य संरचनाएं और नए प्रकार के उद्यम तेजी से उभर रहे थे। लेकिन भारत के पुराने श्रम कानून समय के साथ नहीं बदले, और आधुनिक कार्यबल या प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे।

एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पंच प्रण के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। पुराने कानून इसलिए नहीं बने रहे क्योंकि वे अच्छे थे, बल्कि इसलिए क्योंकि पिछली सरकारों में उन्हें बदलने का राजनीतिक साहस, इच्छा शक्ति और दूरदृष्टि की कमी थी। बदलती परिस्थितियों और देश की जरूरतों के अनुसार उन्हें आधुनिक बनाने की हिम्मत किसी ने नहीं दिखाई।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का वैश्विक कद अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। दुनिया मानती है कि भारत अब भविष्य को आकार देने में केवल भाग नहीं ले रहा है, बल्कि उसे परिभाषित करने में भी मदद कर रहा है। लेकिन इस ऐतिहासिक क्षण का सही अर्थों में लाभ उठाने और संभावनाओं को दीर्घकालिक समृद्धि में बदलने के लिए, भारत औपनिवेशिक काल के उस श्रम ढांचे से बंधा नहीं रह सकता जो सशक्तिकरण के बजाय नियंत्रण के लिए बनाया गया था। इसलिए, बड़े पैमाने पर रोज़गार सृजन, औपचारिकता का विस्तार और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक बदलाव आवश्यक था। इस राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए, मोदी सरकार ने स्वतंत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक को लागू किया। पहले के 29 बिखरे हुए श्रम कानूनों को मिलाकर चार सरल और स्पष्ट श्रम संहिताएं बनाई गईं = वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता।

21 नवंबर 2025 को ये श्रम संहिताएं लागू हो गईं। ये संहिताएं मिलकर एक आधुनिक श्रम ढांचा स्थापित करती हैं, जो श्रमिक-समर्थक और विकास-समर्थक दोनों है, और यह दिखाता है कि भारत अब तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार है।

संसद द्वारा 2019 और 2020 में श्रम संहिताओं को पारित किया गया था, कई राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, श्रमिक संघों और उद्योग निकायों ने उनके प्रगतिशील इरादे का स्वागत किया है। उनकी खूबियों को पहचानते हुए, सभी राजनीतिक दलों के राज्यों ने संहिताओं के अनुसार से अपने श्रम कानूनों में बदलाव किए। उदाहरण के लिए, जिन राज्यों ने महिलाओं को उनकी सहमति और पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ रात में काम करने की अनुमति दी है, वहाँ कुल महिला रोजगार में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सभी क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स ने एक पुरानी हो चुकी श्रम प्रणाली से आगे बढ़ने की आवश्यकता को पहचाना है। उनके योगदान ने एक संतुलित ढाँचा तैयार करने में मदद की है जो श्रमिकों की सुरक्षा करता है और साथ ही अर्थव्यवस्था को विकसित होने में भी सक्षम बनाता है।

श्रमिकों और इंडस्ट्री लीडर्स के साथ मेरी बातचीत में जो बात हमेशा सामने आई है वह कार्यस्थल पर स्पष्टता, निष्पक्षता और सम्मान की आवश्यकता पर बल देती है। इसी मार्गदर्शक सिद्धांत ने हमारे सुधारों को आकार दिया है, जिसने एक जटिल और बिखरे हुए सिस्टम को एक ऐसे सिस्टम से बदल दिया है जो सरल, पारदर्शी और हर श्रमिक की सुरक्षा करने वाला है।

श्रम संहिताएं अपने मूलभाव और अक्षरश: रूप में, नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को संतुलित करते हुए श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देती हैं। वे निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देती हैं और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करती हैं। ये संहिताएं ऑडियो-विजुअल श्रमिकों और गिग तथा प्लेटफॉर्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता प्रदान करती हैं। ये अखिल भारतीय ईएसआईसी कवरेज को सक्षम बनाती हैं, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करती हैं, जिनमें पहले बाहर रखे गए बागान श्रमिक भी शामिल हैं। साथ ही, ये राज्यों में असमानताओं को कम करने के लिए सभी श्रमिकों के लिए वैधानिक न्यूनतम वेतन की गारंटी देती हैं। अनिवार्य नियुक्ति पत्र, पक्की पे स्लिप और सवेतन वार्षिक अवकाश जैसे प्रावधान हर श्रमिक को अधिक स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

कॉन्ट्रैक्ट आधारित रोज़गार के एक प्रगतिशील विकल्प के रूप में, संहिताओं में फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट (एफटीई) यानी निश्चित अवधि के रोजगार की शुरुआत की गई है। एफटीई के तहत, एक निश्चित अवधि के लिए नियोजित श्रमिकों को स्थायी कर्मचारियों के समान ही वेतन, लाभ और काम करने की स्थितियाँ प्राप्त होती हैं, जिनमें सवेतन अवकाश, काम के तय घंटे, चिकित्सा सुविधाएँ, सामाजिक सुरक्षा और अन्य वैधानिक सुरक्षाएँ शामिल हैं। विशेष रूप से, एफटीई कर्मचारी केवल एक वर्ष की निरंतर सेवा के बाद ही ग्रेच्युटी के लिए पात्र हो जाते हैं। संहिताएँ आधुनिक कार्यस्थलों की वास्तविकताओं को भी स्वीकार करती हैं। यदि कोई कर्मचारी स्वेच्छा से मानक घंटों से अधिक काम करना चुनता है, तो उसे ओवरटाइम के लिए नॉर्मल सैलरी रेट से दोगुना पैसा मिलना चाहिए, जिससे हर परिस्थिति में निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

नारी शक्ति इन सुधारों का एक केंद्रीय स्तंभ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण से निर्देशित, ये संहिताएँ महिलाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शामिल होने के नए रास्ते खोलती हैं—जिनमें अंडरग्राउंड खदानों, भारी मशीनरी और नाइट शिफ्ट में काम करना शामिल हैं—बशर्ते इस पर उनकी सहमति हो और मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू हों।

इसके साथ ही, संहिताएँ सिंगल रजिस्ट्रेशन, सिंगल लाइसेंस और सिंगल रिटर्न फाइलिंग की शुरुआत करके नियोक्ताओं पर कम्प्लायंस के बोझ को काफी कम करती हैं। यह सरलीकरण उद्योगों को पूरे भारत में अपनी यूनिट्स का विस्तार करने और स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

भारत की सामाजिक सुरक्षा 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत होने की विश?व में प्रशंसा हुई है। अंतर्राष?ट्रीय श्रम संगठन ने भारत की प्रयासों को माना है, जबकि अंतर्राष?ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने सामाजिक सुरक्षा में बेहतरीन काम के लिए भारत को पुरस्कार प्रदान किया है।

ये 5 फूड्स भूलकर भी दोबारा न करें गर्म
हो जाएगा बड़ा नुकसान

आज के जमाने में अधिकतर लोगों की लाइफस्टाइल भागदौड़ भरी हो गई है। कई बार लोग खाना बनाने के बाद उसे गर्मागर्म खा नहीं पाते और फ्रिज में रखकर चले जाते हैं। वापस आकर खाना गर्म करने के बाद खा लेते हैं। आपने भी कई बार ऐसा किया होगा। कुछ लोग बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करके खा लेते हैं। ऐसा करना हम सभी को नॉर्मल लगता है, लेकिन यह आदत सेहत के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं है। कुछ फूड्स ऐसे होते हैं, जिन्हें दोबारा गर्म करने से उनके पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। इन्हें खाने से फायदे की जगह नुकसान हो जाता है। अगर आप भी ऐसा करते हैं, तो इससे जुड़ी हैरान करने वाली बातें भी जान लीजिए।

आलू - टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक आलू को दोबारा गर्म करके नहीं खाना चाहिए। आलू में विटामिन बी6, पोटैशियम और विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है। ये सभी पोषक तत्व आलू को दोबारा गर्म करने पर खत्म हो जाते हैं। इसके अलावा क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम नामक बैक्टीरिया पैदा होता है, जो शरीर

के लिए घातक हो सकता है। जब पके हुए या उबले हुए आलू को रूम टेंपरेचर पर रखा जाता है, तो यह बैक्टीरिया पैदा कर देता है। ऐसे में दोबारा गर्म करके खाने पर आलू नुकसानदायक हो सकता है।

अंडा- अंडे को पकाने के तुरंत बाद

खाना चाहिए और उन्हें कभी भी ज्यादा गर्म नहीं करना चाहिए। अंडे के प्रोटीन में बड़ी मात्रा में नाइट्रोजन होता है। गर्म होने पर नाइट्रोजन कार्सिनोजेनिक पदार्थ पैदा करता है, जो आपके लिए कैंसर का खतरा पैदा कर सकता है। ऐसे में अंडे को एक बार उबालने या पकाने के बाद दोबोरा गर्म नहीं करना चाहिए, वरना लेने के देने पड़ सकते हैं।

चावल- दुनियाभर में सबसे ज्यादा पसंदीदा फूड चावल को भी दोबारा गर्म करके नहीं खाना चाहिए। कई घरों में लंच और डिनर में चावल एक ही समय पर पकाया जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ठंडे चावल को दोबारा गर्म करने से फूड पॉइजनिंग हो सकती है। अगर ओवन से

निकालने के बाद चावल को छोड़ दिया जाए, तो उसमें बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं। इसलिए सावधानी बरतनी चाहिए।

चिकन- चिकन जब दूसरी बार गर्म किया जाता है, तो इसका प्रोटीन टूट जाता है। दोबारा गर्म करने पर वह प्रोटीन अलग रूप धारण कर लेता है, जो हेल्थ के लिए नुकसानदायक हो सकता है। कई मामलों में पकाने के बाद भी चिकन में हानिकारक बैक्टीरिया रह जाते हैं। अगर पके हुए चिकन को माइक्रोवेव में रखा जाए तो बैक्टीरिया पूरे मीट में फैल जाते हैं।

मेथी के दाने कम करेगी हेयर फॉल
जानें उपयोग का तरीका

प्रो टीन और आयरन से भरपूर मेथी दाना बहुत सी बीमारियों के घरेलू इलाज में काम आता है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल, डायबिटीज, डाइजेस्टिव सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए मेथी दाना का इस्तेमाल किया जाता है। एक रिसर्च के मुताबिक मेथीदाना बालों की ग्रोथ और हेयरफॉल में मददगार है। इसका प्रयोग बालों को सॉफ्ट और शाइनी बनाता है

मेथी के दानें बालों के इन्फेक्शन्स और स्कैल्प एलर्जी से बचाव करने में फायदेमंद हैं। यह बालों से जुड़ी अन्य बहुत सी समस्याओं को दूर करते हैं। एक रिसर्च में साबित हुआ है कि मेथी के दानों का नियमित सेवन बाल गिरने की समस्या, कमजोर बालों और डैंड्रफ की परेशानी को दूर करने में असरदार हैं। मेथीदाना आपके बालों की जड़ों को स्ट्रांग बनाकर नए बालों को उगाने में सहायक है। यह बालों की चमक बढ़ाकर बालों को सिल्की बनाने में हेल्प करता है। आइए जानते हैं मेथी दाना बालों को स्ट्रांग और सिल्की बनाने के लिए कैसे प्रयोग कर सकते हैं-

मेथी दाना हेयर स्प्रे

100 ग्राम मेथीदाना रात भर एक कप पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इस पानी को छानकर किसी स्प्रे बॉटल में भर कर रख लें। इस पानी को बालों पर लगाएं। चार-पांच घंटे तक लगा रहने दें फिर साफ़ पानी धो दें। यह आपके बालों की चमक बढ़ाने के साथ ही बालों की ग्रोथ में इजाफा करेगा।

आहार में मेथीदाना

रोजाना 50 ग्राम मेथीदाना को आहार में शामिल करने से बालों की सभी समस्याओं छुटकारा पाया जा सकता है। मेथीदानों को भोजन में सलाद के रूप में, मसालों के तौर पर और पाउडर के रूप में लिया जा सकता है। मेथी को रात भर भिगोकर रख दें और सुबह मेथी के दानें चबाकर खाएं और इसका पानी पी लें।

एक्सरसाइज के दौरान ये गलतियां बन सकती हैं सर्वाइकल पेन की वजह

नियमित एक्सरसाइज खुद को सेहतमंद रखने के लिए की जाती है। कुछ लोग एक्सरसाइज के बाद बॉडी पेन, स्पेशली गर्दन में दर्द से परेशान रहते हैं। इसकी वजह से आपको बहुत सी परेशानियां जैसे कंधों का, दर्द, चक्कर आना, जैसी प्रॉब्लम्स हो जाती हैं। यदि वर्क आउट करते हुए आपका पोश्चर सही नहीं है या आप क्षमता से अधिक वजन उठाते हैं, तो आपको सर्वाइकल पेन की दिक्कत हो सकती है। सर्वाइकल रीढ़ की हड्डी का ऊपरी का हिस्सा होता है, जिससे सिर को सहारा मिलता है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार इन गलतियों को दूर करके सर्वाइकल के अनचाहे दर्द से बचा जा सकता है। आइए जानते हैं वर्क आउट करते हुए कौन सी गलतियों से बचना जरुरी है-

डम्बल पुल ओवर में गलती

डम्बल पुल ओवर चेस्ट वर्क आउट है, इसमें ट्राइसेप्स, छाती और डेल्टॉइड्स की एक्सरसाइज की जाती है। डम्बल को पुल करते समय गर्दन को बेंच का स्पोर्ट दें और गर्दन को बेंच से ज्यादा ना झुकाएं।

बारबेल बेंट ओवर में गलती

बारबेल एक्सरसाइज करते हुए कई बार गर्दन की हड्डियों का पोश्चर बिगड़ जाता है। इसलिए बारबेल बेंट ओवर करते समय रीढ़ की हड्डी और गर्दन की दिशा को सही रखें। अक्सर इस एक्सरसाइज के दौरान नजर सामने होती है और गर्दन का झुकाव पीछे की ओर हो जाता है, जिससे रीढ़ की हड्डी पर अनावश्यक जोर पड़ता है। बारबेल बेंट पैर और कमर को बैलेंस रखने के लिए किया जाता है।

रियर लेट पुल डाउन में गलती

रियर लेट पुल डाउन में गर्दन को पीछे की ओर स्ट्रेच करना होता है। कई बार रियर लेट पुल डाउन के दौरान गर्दन ज्यादा स्ट्रेच हो जाती है, जिससे सर्वाइकल पेन की परेशानी शुरू हो जाती है। यह बैक एक्सरसाइज है जिससे कमर को मस्कुलर बनाया जाता है।

जानें कैसे बच सकते हैं इनसे

फिट और हेल्दी रहने के लिए हेल्थ एक्सपर्ट डेली वर्कआउट की सलाह देते हैं, लेकिन वर्क आउट के दौरान हम कुछ सामान्य सी बातें नजरअंदाज कर देते हैं। एक्सरसाइज के दौरान की जाने वाली ये छोटी-छोटी गलतियां कई तरह की सेहत से जुड़ी दिक्कतों का कारण बनती हैं,उ जिसमें सर्वाइकल पेन की प्रॉब्लम सबसे ज्यादा देखने को मिलती है।

बड़ा गुणकारी है बादाम

व्यायाम करने से स्वस्थ जीवनशैली बेहतर बनती है, लेकिन अगर इसे सही ढंग से नहीं किया जाए तो व्यायाम से थकान और मांसपेशियों को नुकसान हो सकता है। व्यायाम से लाभ प्राप्त करना ज़रूरी है क्योंकि इससे मांसपेशियां बनती हैं और समय के साथ तंदुरुस्ती बढ़ती है। कभी-कभी (प्रति सप्ताह तीन बार से कम) व्यायाम करने वाले लोगों पर हाल में एक शोध किया गया है। इस नए अध्ययन से पता चला है कि नाश्ते के रूप में बादाम खाने से थकान और तनाव का अहसास कम होता है, स्वास्थ्यलाभ के दौरान पैर और पीठ के निचले हिस्से में ताकत बढ़ती है तथा स्वास्थ्यलाभ के पहले दिन के दौरान मांसपेशियों की क्षति कम होती है।

डॉ. नीमैन की टीम यह देखना चाहती थी कि उच्च कार्बोहाइड्रेट युक्त अनाज के बार स्नैक की तुलना में बादाम के स्नैक 90 मिनट व्यायाम करने वाले वयस्कों में सूजन और स्वास्थ्य लाभ में सुधार करते हैं या नहीं। डॉ. नीमैन ने बताया कि "हमने जो देखा उससे निश्चित तौर पर जानकारी मिलती है कि लोगों को व्यायाम से बेहतर स्वास्थ्यलाभ में मदद के लिए स्पोर्ट्स न्यूट्रीशन स्ट्रेटेजी में बादाम को शामिल करना चाहिए।

फिटनेस का फूड है बादाम

व्यायाम के लिए ऊर्जा के मामले में कार्बोहाइड्रेट्स पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जाता है, लेकिन बादाम एक न्यूट्रीशन पैकेज (सम्पूर्ण पोषण) है, जिसमें गुणकारी असंतृप्त फैट्स, ऐंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ई और प्रोएंथोसाइनाइडिन्स (पॉलीफेनोल्स की श्रेणी, जो वनस्पतियों में रक्षात्मक यौगिक होते हैं) शामिल हैं, जिनसे हमारे अध्ययन के लाभकारी नतीजों को समझने में मदद मिलती है।" बादाम की एक खुराक में (28 ग्राम) में 13 ग्राम असंतृप्त फैट होता है जबकि संतृप्त फैट केवल 1 ग्राम होता है।

अध्ययन की रूपरेखा

इस परीक्षण में अनुसंधानकों में 64 स्वास्थ्य वयस्कों को शामिल किया गया जिनकी औसत उम्र 46 वर्ष थी। इसमें केवल ऐसे सहभागी थे, जो प्रति सप्ताह तीन (3) बार से कम व्यायाम करते थे। इस प्रयोग में अक्रमिक, समानांतर समूह रूपरेखा का इस्तेमाल किया गया, जिसमें 4 सप्ताहों तक उपचार सहभागियों (एन = 33) ने रोजाना सुबह और दोपहर की दो खुराक में 57 ग्राम (2 औंस) बादाम खाया। नियंत्रण सहभागियों (एन = 31) ने दो खुराक में ही समान कैलोरी का अनाज बार (सीरिअल बार) का सेवन किया।

सहभागियों ने खून और पेशाब का सैंपल जमा किया और मनोदशा तथा मांसपेशियों में पीड़ा से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर दिए। उनकी लम्बाई, वजन और शारीरिक गठन की माप की गई।

उसके बाद अध्ययन में लोगों को मसल फंक्शन टेस्ट (व्यायाम) करने को कहा गया। यह पूरा हो जाने पर उनकी 4 सप्ताहों की पूरक अवधि आरम्भ हुई, जिसमें उन्होंने या तो बादाम खाया या अनाज बार्स।

इस्तेमाल की गई चायपत्ती भी है बड़े काम की

अक्सर लोग चाय बनाने के बाद चाय पत्ती को फेंक देते हैं। अगर आप भी कुछ ऐसा ही करते हैं, तो हम आपको बता दें कि जिस चाय पत्ती को आप बेकार समझते हैं वह चाय बनने के बाद भी बड़े काम की चीज साबित हो सकती है। इतना ही नहीं यह आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकती है। आइए जानें चाय बनाने के अलावा चाय पत्ती का इस्तेमाल किस तरह कर सकते हैं।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, बची चायपत्ती का इस्तेमाल बालों में चमक और दमक लाने के लिए कर सकते हैं, ये बहुत फायदेमंद होती है। चायपत्ती का पानी एक तरह से प्राकृतिक कंडिशनर का काम करता है। चाय बनाने के बाद बची हुई पति को धो लें, फिर उसे दुबारा से गरम पानी में उबाल लें। इसे छान लें और पानी को ठंडा करने के बाद बालों को साफ करें।

पकी हुई चाय की पत्तियां गमलों में लगे पौधों के लिए अच्छी खाद हो सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि चाय की पत्तियों में मौजूद टैनिन मिट्टी के अम्लीय स्तर को बढ़ा देता है, जो गुलाब जैसे पौधों को फलने-फूलने में मदद करता है। जानकारों के मुताबिक, आप चायपत्ती का इस्तेमाल छोले को टेस्टी बनाने में भी कर सकते है। इसके लिए चायपत्ती को पानी में डाल लें और उस पानी को उबाल कर उसकी थोड़ी-सी मात्रा काबुली चने में डाल दें। इससे रंग और टेस्ट दोनों आ जाएगा।

चायपत्ती से आप कांच के गिलास पर लगे दाग और तेल वाले बर्तन को साफ करती हैं तो वो चमक उठेंगे।

सर्दियों में शिशु की आंखों में आ गई है सूजन, करें ये घरेलू उपाय

अन्य मौसम की तुलना में सर्दियों में शिशुओं की इम्युनिटी कमजोर हो जाती है, जिससे कई तरह की मौसमी बीमारियां शिशु को आसानी से संक्रमित करती हैं। इसी तरह की समस्या है आंखों में सूजन, अक्सर सर्दियों में छोटे शिशुओं की आंखों में सूजन और लालिमा की परेशानी हो जाती है। इसका कारण मौसम का प्रभाव या कोई सेहत से जुड़ी परेशानी हो सकती है। आंखे शरीर का सबसे कोमल हिस्सा हैं और बात अगर छोटे शिशु की आंखों की हो तब तो माता-पिता की परेशानी बढ़ जाती है। ठण्ड के मौसम में शिशु की आंखों से पानी आना और सूजन एक सामान्य समस्या है जो अधिकांश शिशुओं में देखी जा सकती है। इसका कारण एलर्जी, ठण्ड लगना और गन्दगी हो सकती है। शिशु की आंखों को गंदे हाथों से छूना भी आंखों के इंफेक्शन का कारण हो सकता है। अगर घर में कोई पालतू जानवर है तो उसके इफेक्शन से शिशु की आंखों में सूजन हो सकती है। आइए जानते हैं शिशुओं की आंखों में सर्दियों के मौसम में सूजन और संक्रमण के क्या कारण हो सकते हैं-

सर्दियों में शिशु की आंखों में सूजन का कारण

जन्म के समय शिशु की आंख में सामान्य सूजन होती है, जो समय के साथ धीरे-धीरे कम होती है। सर्दियों के प्रभाव से शिशु की आंखे लालिमायुक्त और सूज जाती है, जिससे शिशु असहज हो जाता है। ठण्ड से बचाने के लिए शिशु को रोज नहलाया नहीं जाता है जिससे गन्दगी के कारण आंखों में संक्रमण होता है। ब्लॉक टियर डक्ट्स भी इसका कारण हो सकता है ब्लॉक टियर डक्ट्स एक प्रकार का बैक्टीरियल संक्रमण है। किसी चीज से एलर्जी भी शिशु की आंखों में संक्रमण का कारण हो सकती है। कम तापमान के कारण भी शिशु की आंखे संक्रमित हो जाती हैं।

आंखों में सूजन के प्रकार

यदि शिशु की आंखे खुल पा रही हैं और सूजन सिर्फ आंखों की पलकों में है, तो यह सामान्य सूजन है। यदि पलकों के आस-पास भी सूजन है और आंखे खुल नहीं पा रहीं हैं तो यह सामान्य से ज्यादा है। इसके लिए आप डॉक्टर की सलाह लें।

इंटरव्यू में न करें ये गलतियां

जॉब के प्रति कम इंट्रेस्ट दिखाना

जॉब चाहे छोटी हो या बड़ी लेकिन इंटरव्यू में जाते समय आपको इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए कि आपको पैनल के सामने यह नहीं शो करना है कि आप जॉब के प्रति कम इंट्रेस्ट रख रहे हैं। आपको इंट्रेस्ट के साथ चर्चा में भाग लेना चाहिए। सवालों का सोच समझकर उत्तर दें जल्दबाजी न करें।

पहनावे पर ध्यान दें

साक्षात्कार पर जाते समय अपने कपड़ों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अगर संभव हो तो इंटरव्यू में फॉर्मल कपड़े ही पहन कर जाएं। इसके अलावा आप इंटरव्यू के लिए सूट का चुनाव भी कर सकते हैं। साक्षात्कार से एक दिन पहले आप अपना ड्रेस पहन कर खुद का आकलन कर सकते हैं।

फोन का जवाब न दें

अक्सर लोग इंटरव्यू के दौरान फोन ले जाते हैं लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि साक्षात्कार के समय फोन को साइलेंट रखें और कभी भी इस दौरान फोन काल न उठाएं और न ही किसी तरह के मैसेज का उत्तर दें। अपने फोन को वाइब्रेशन मोड पर रखें।

हकलाहट या फिर हड़बड़ाने से बचे

कई बार साक्षात्कार के सवालों का जवाब नहीं आता, तो ऐसे में आप घबरा कर बोलने में हकलाने लगते हैं या फिर लड़खड़ाने लगते हैं, जो पैनल में बहुत बुरा असर डालता है। अगर आपको सवाल के जवाब नहीं आते तो आप थोड़ा रुके उसके बारे में सोचें और फिर उन्हे सॉरी बोल सकते हैं।

इंटरव्यू में की गई एक छोटी सी गलती आपकी सालों की मेहनत पर पानी फेर सकती है। इसलिए आपको हर उस बात को तवज्जो देनी चाहिए जो आपको छोटी और मामूली लगती है। इंटरव्यू पैनल के सामने आपका गलत व्यवहार या फिर एक गलत कही हुई बात आपके रिजेक्शन का कारण बन सकती है। कुछ ऐसी गलतियां हैं, जिन्हें लोग इंटरव्यू के दौरान अक्सर करते हैं आपको इनसे बचने की जरूरत है, आइए इसके बारे में जानते हैं...

अधिक पजेसिव होने से खराब हो सकता है आपका प्यार भरा रिश्ता

एक रिलेशनशिप में अपने साथी की केयर करना और उसकी फिक्र होना एक सामान्य बात है। एक सच्चा साथी वही है, जो सुख-दुःख में काम आए और जिससे आप सब कुछ शेयर कर सकें। लेकिन, हर रिश्ते में स्पेस होना भी जरूरी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अपने पार्टनर के लिए थोड़ा-बहुत पजेसिव हर कोई होता है, लेकिन अगर यह ओवर पजेसिवनेस है, तो आपका रिश्ता खराब होने में वक्त नहीं लगेगा। अगर आप अपने पार्टनर पर शक करते हैं, उससे अधिक पूछताछ करते हैं या उसके हर एक सेकंड का हिसाब रखना चाहते हैं, तो यह आपके पजेसिव होने के लक्षण हैं। इससे पहले कि देर हो जाए अपने इस नेचर को बदल कर रिश्ते को सुधारने के बारे में सोचें। पढ़े अपने रिश्ते को सुधारने के कुछ टिप्स।

रिश्ते को सुधारने के टिप्स

पजेसिवनेस यानी कुछ खो देने का डर, पजेसिव लोग हर समय इसी फिक्र में होते हैं कि कहीं उनका पार्टनर उन्हें छोड़ न दे। इससे उनमें भय, गुस्से और दुःख की फीलिंग आती है, ऐसे में रिलेशन में ओवर पजेसिवनेस को दूर कर रिश्ते को सुधारने के कुछ टिप्स इस प्रकार हैं:

प्रेजेंट में रहें : अक्सर रिश्ते में ओवर पजेसिवनेस का कारण होता है पार्टनर का पास्ट। अगर पार्टनर पहले किसी रिश्ते में रहा हो या इस बारे में उसने कोई झूठ बोला हो, तो इसका प्रभाव प्रेजेंट पर पड़ता है। जितना हो सके प्रेजेंट में रहें और अपने व अपने पार्टनर के पास्ट को भूल कर नए रिश्ते का मजा लें।

किसी चीज के लिए फॉर्स न करें: आप कभी भी अपने पार्टनर के लिए किसी चीज के लिए फोर्स न करें। अगर आपका पार्टनर आपके साथ नहीं रहना चाहता या आपसे कुछ शेयर नहीं करना चाहता, तो उस पर अपनी इच्छाओं को न थोंपे। बल्कि इंतजार करें। अगर वो आपसे प्यार करता है, तो वो आपको जरूर समझेगा।

पार्टनर के दोस्तों को जानें : ओवरपजेसिवनेस की एक वजह पार्टनर के दोस्तों आदि से जलन भी हो सकती है। इससे बचने का एक तरीका यह है कि अपने पार्टनर के दोस्तों को जानें। इससे आप उन्हें अच्छे से जानेंगे और आपके पार्टनर के साथ आपका रिश्ता भी सही रहेगा।

अपनी फीलिंग शेयर करें : कम्युनिकेशन से हर चीज का हल मिल सकता है। अगर आप अपने पार्टनर के प्रति पजेसिव महसूस करते हैं, तो उससे एक बार इस बारे में बात करें और दोनों मिल कर इसे सुलझाएं।

सुबह उठकर करें ये काम, नहीं लगेगी ठंड

उत्तर भारत में इस वक्त कपकपाने वाली ठंड का कहर देखने को मिल रहा है। कहीं कोहरे से कोहराम मचा हुआ है, कहीं शीतलहर से लोग ठिठुर रहे हैं। अगले कुछ दिनों तक इसी तरह के हालात देखने को मिल सकते हैं। अत्यधिक सर्दी की वजह से लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। ऐसे में सर्दी, जुकाम, बुखार खांसी समेत कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों को बीमारियों से बचने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। आज आपको बताएंगे कि सर्दियों में किन तरीकों से आप बीमारियों से कोसों दूर रह सकते हैं और मौसम का भी जमकर आनंद ले सकते हैं।

सही तरीके से पहनें गर्म कपड़े- सर्दियों में बीमारियों से बचने के लिए सही तरीके से गर्म कपड़े पहनने चाहिए। खुद को प्रॉपर तरीके से कवर करना चाहिए और उसके बाद ही घर से निकलना चाहिए। गर्म कपड़े इस मौसम में सबसे बड़ा हथियार बन सकते हैं। बच्चों और बुजुर्गों के कपड़ों को लेकर बिल्कुल भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। आप सर्दी से बचे रहेंगे तो सीजनल इंफेक्शन का खतरा कम हो जाएगा।

वेजिटेबल जूस से करें शुरुआत- सर्दियों में आप सुबह-सुबह खाली पेट गाजर, चुकंदर, धनिया, आंवला और पुदीना का जूस बनाकर पी सकते हैं। इस मौसम में वेजिटेबल्स यानी सब्जियों का जूस बेहद फायदेमंद होता है। इससे हमारी बॉडी डिटॉक्स हो जाती है और बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। नींबू पानी से भी आप दिन की शुरुआत कर सकते हैं। जीरा वाटर और अजवाइन वाटर पीना भी फायदेमंद होता है।

रोज करें फिजिकल एक्टिविटी- अगर आपको सर्दियों में भी गर्मी का एहसास करना है, तो आप कम से कम 30 मिनट तक एक्सरसाइज जरूर करें। एक्सरसाइज करने से आपके शरीर में गर्मी आएगी और सर्दी कम लगेगी। बिना हीटर के आपको पसीना आ जाएगा। इस मौसम में दोपहर के वक्त एक्सरसाइज करना सबसे अच्छा माना जाता है।

ब्रेकअप के बाद डिप्रेशन की शिकार

डिप्रेशन एक बहुत ही जटिल स्थिति है, जो किसी को भी प्रभावित कर सकती है। डिप्रेशन हार्मोनल परिवर्तन, केमिकल असंतुलन, किसी प्रियजन को खोना और ब्रेकअप जैसी तनावपूर्ण घटना के कारण ट्रिगर कर सकता है। ब्रेकअप या दिल टूटने के बाद डिप्रेशन होना जरूरी नहीं है, लेकिन कई लोग निराशा, उदासी और अपराधबोध की भावना से घिर सकते हैं। ये लक्षण कई बार लोगों के दिन प्रतिदिन के कार्यों को कठिन बना सकते हैं। इसलिए इन लक्षणों को सुधारने और प्रबंधित करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण तरीके अपनाना जरूरी है।

अपनी भावनाओं को व्यक्त करें

ब्रेकअप के बाद होने वाले डिप्रेशन से उभरने के लिए सबसे पहले अपनी भावनाओं को व्यक्त करना जरूरी है। डिप्रेशन के दौरान लोगों को कई तरह के उतार-चढ़ाव का अनुभव होता है। इसलिए जो भी महसूस करते हैं उसे दूसरों के सामने व्यक्त करें ताकि क्रोध और पछतावे को कम किया जा सके। डिप्रेशन से बाहर आने के लिए जरूरी है कि व्यक्ति खुद को बिजी रखे। इसलिए ऐसी एक्टिविटी का चुनाव करें, जिसे करने से मन प्रसन्न हो। यात्रा करना या तरह-तरह का खाना बनाना विचारों को डाइवर्ट कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में आम चुनाव के लिए अब तक 56 दलों का पंजीकरण

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव के लिए अब तक 56 राजनीतिक दल अपने नाम दर्ज करा चुके हैं। रविवार को नेपाली कांग्रेस समेत 12 और दलों ने पंजीकरण कराया। पंजीकरण की अंतिम तिथि 26 नवंबर है। नेपाल के निर्वाचन आयोग के मुताबिक, नए चुनाव की घोषणा के बाद उभरी कई नई पार्टियों सहित आयोग में कुल 132 दल पंजीकृत हैं, लेकिन इनमें से केवल 56 ने आम चुनाव में हिस्सा लेने के लिए औपचारिक पंजीकरण कराया है।

पाकिस्तान में दर्दनाक सड़क हादसे: स्वाबी और कराची में छह लोगों की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में रविवार को अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह जानकारी अधिकारी बयान के हवाले से मिली है। स्वाबी (खैबर पख्तूनख्वा) में एक बड़ा हादसा तब हुआ जब पेशावर से इस्लामाबाद जा रही एक यात्री वैन अनियंत्रित होकर नदी के पास गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

इंडोनेशिया के इस्लामिक संगठन एनयू ने चेयरमैन से मांगा इस्तीफा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के सबसे बड़े इस्लामिक संगठन, नहदलातुल उलेमा (एनयू) ने इस्राइल समर्थक अमेरिकी अधिकारी को आमंत्रित करने पर अपने चेयरमैन से इस्तीफा मांगा है। इसके लिए याह्या चोलिल स्टाकुफ को तीन दिन का समय दिया गया है। स्टाकुफ ने गाजा संघर्ष के दौरान अमेरिकी स्कॉलर पीटर बेरकोविज को अगस्त में हुए एक कार्यक्रम में बुलाया था, जिसके बाद से उनका विरोध शुरू हो गया था।

इंडिया-सिंगापुर स्टार्टअप कम्युनिटी को बढ़ावा दे रहा आईसीएआई

सिंगापुर , एजेंसी। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), सिंगापुर चैप्टर द्वीपीय देश में स्टार्टअप कम्युनिटी को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। संस्थान की चेयरपर्सन अनुराधा श्रॉफ ने कहा कि आईसीएआई शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स को कैपिटल, मेंटरशिप, नेटवर्क और ग्लोबल प्लेटफॉर्म देकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए मजबूत बनाने पर काम कर रहा है।

वियतनाम में भारी बारिश से 90 की मौत, हजारों घर डूबे

हनोई, एजेंसी। वियतनाम के पहाड़ी इलाकों में इस महीने की शुरुआत से हो रही भारी बारिश और बाढ़ के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हजारों घर पानी में डूब गए हैं और अब तक 90 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें डाक लाक प्रांत में सर्वाधिक 63 की मौतें हुई हैं, जबकि खान होआ में 14 और लाम डोंग में पांच मौतें दर्ज की गईं। पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक, भूस्खलन के कारण 12 से ज्यादा लोग लापता हैं। सड़कें बाधित होने से कई इलाकों का संपर्क टूट गया है।

ऑस्ट्रेलिया में चक्रवात फिना ने मचाई तबाही, 19 हजार प्रभावित

डार्विन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र में शनिवार देर रात आए चक्रवात फिना ने राजधानी डार्विन और आसपास के इलाकों में भारी तबाही मचाई। 205 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं ने हजारों घरों को नुकसान पहुंचाया और सड़कें पानी से डूब गईं। रविवार को पूरा दिन इलाके की बिजली गुल रही। मुख्यमंत्री लिया फिनोचियारो ने कहा कि फिना के कारण संपत्तियों को भारी नुकसान हुआ है और लगभग 19 हजार लोग अंधेरे में रह रहे हैं। हालांकि, गनीमत यह रही इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।

गर्लफ्रेंड को स्वाट टीम की सुरक्षा देकर फंसे एफबीआई चीफ काश पटेल

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) प्रमुख काश पटेल अपनी गायिका गर्ल फ्रेंड एलेक्सिस विल्किंस को हाई प्रोफाइल स्वाट सिक्योरिटी देकर फंस गए हैं।

पहले से ही तमाम मामलों में कांग्रेस के निशाने पर चल रहे पटेल के इस फैसले की भी जांच शुरू हो गई है। बताया जाता है कि वह लंबे समय से लोक गायिका के साथ डेटिंग कर रहे हैं।

एलेक्सिस विल्किंस को नेशनल राइफल्स एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में स्वाट टीम के दो सुरक्षाकर्मियों के साथ प्रवेश करता देख सभी के कान खड़े हो गए।

अमेरिका की बेहद प्रशिक्षित यूनिट है स्वाट टीम: बता दें कि स्वाट टीम अमेरिका की बेहद प्रशिक्षित यूनिट है, जिसे किसी इमारत में

आतंकियों के कब्जे से बंधकों को छुड़ाने में माहिर माना जाता है। किसी तरह का खतरा न देख, दोनों सुरक्षाकर्मी लौट गए। इसके बाद पटेल ने टीम के कमांडर से इसकी शिकायत की कि दोनों सुरक्षाकर्मियों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई।

पटेल ने अपने कार्यकाल के पहले नौ महीनों में करदाताओं द्वारा जुटाए गए संसाधनों का जिस तरह से जमकर इस्तेमाल किया, उससे प्रशासन के अंदर यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह मानक व्यवहार की सीमाओं के दायरे में है। इसमें अपनी और अपनी प्रेमिका की सुरक्षा के लिए सुरक्षा का अत्यधिक इस्तेमाल भी शामिल है।

सरकारी जेट विमान का भी काश पटेल ने किया है उपयोग

उन्होंने अपनी कुछ मनोरंजक यात्राओं के लिए भी सरकारी जेट का उपयोग किया है, जैसे कि पटेल अपने दोस्तों के साथ गर्मियों में स्काटलैंड में एक निजी रिजार्ट में गोल्फ खेलने के लिए गए थे।विल्किंस को कार्यक्रमों या प्रदर्शनों में भाग लेने के लिए सरकारी सुरक्षा प्रदान करने की बात ने विशेष ध्यान खींचा है।

इसमें पटेल समर्थक कुछ दक्षिणपंथी आनलाइन हस्तियां भी शामिल हैं, जिन्होंने इसकी आलोचना की है। डोनाल्ड ट्रंप के लिए काम करनेवाले इंफ्लुएंसर ग्रेस चोंग ने एक्स पर लिखा कि क्या विल्किंस काश की पत्नी हैं। स्टीव बैनन ने भी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर ब्यूरो के संसाधनों के इस्तेमाल पर सवाल किया। मौजूदा और पूर्व एफबीआइ अधिकारियों ने भी इस मामले को अजीब बताया है। उन्होंने कहा कि स्वाट टीम को वीआइपी सुरक्षा का गहन प्रशिक्षण नहीं मिला होता। उन्हें केवल पूरक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

ताइवान को लेकर जापान के सैन्य बयान पर भड़का चीन

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को कहा कि जापान की नए नेता ने ताइवान पर सैन्य हस्तक्षेप संबंधी टिप्पणी करके सीमा लांघ दी है। चीन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर वान ने एक पोस्ट कहा कि इस माह की शुरुआत में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की यह टिप्पणी 'स्तब्ध करने वाली है कि ताइवान पर चीन की नौसेना की नाकेबंदी या कोई और कार्रवाई जापान की जवाबी सैन्य कार्रवाई का आधार बन सकती है। वांग ने कहा, ''यह स्तब्ध करने वाली बात है कि जापान के मौजूदा नेताओं ने ताइवान मामले में सैन्य हस्तक्षेप की बात करके सार्वजनिक तौर पर गलत संकेत दिया है और ऐसी बातें कही हैं जो उन्हें नहीं कहनी चाहिए थीं और इन सबसे उन्होंने ऐसी सीमा लांघी है जहां तक उन्हें जाना ही नहीं चाहिए था। वांग ने कहा कि चीन को जापान की हरकतों का ''दृढ़ता से जवाब देना चाहिए। ताकाइची के बयान के बाद से पिछले कुछ हफ़्तों से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। बीजिंग ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस को एक पत्र भेजा।

यूक्रेन बिल्कुल एहसानमंद नहीं

जिनेवा में जेलेंस्की पर फिर भड़के ट्रंप?

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस के साथ चल रहे युद्ध को खत्म कराने के अमेरिकी प्रयास के लिए यूक्रेन अमेरिका का बिल्कुल भी एहसानमंद नहीं है। यह स्थिति तब है जब अमेरिका उसे लगातार हथियार दे रहा है और यूरोपीय देश रूस से तेल भी खरीद रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट अपने बयान में यह बात कही है। ट्रंप का यह बयान तब आया है जब जिनेवा में अमेरिकी शांति प्रस्ताव को लेकर अमेरिका, यूक्रेन और यूरोपीय देशों के अधिकारियों की वार्ता चल रही है।

जिनेवा में चल रही कई देशों की अहम बैठक: स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में यूक्रेन युद्ध पर आए अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर चर्चा के लिए अमेरिका, यूक्रेन और यूरोपीय देशों के शीर्ष अधिकारियों की बैठक हो रही है। यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति कार्यालय के

प्रमुख आंद्री यरमक ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में बताया है कि उनकी पहली बैठक ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ हुई।

इस बैठक में युद्ध की समाप्ति के लिए संशोधित शांति योजना पर राय बनी है जिसमें यूक्रेन के हितों की रक्षा हो सके। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल की अगली बैठक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ हो रही है जिसमें विदेश मंत्री मार्को रूबियो, विशेष दूत स्टीव विटकाफ और सैन्य सचिव डान ड्रिस्काल शामिल हैं। जेलेंस्की बोले-बैठकों से अच्छे परिणाम की उम्मीद यरमक ने बताया है कि अमेरिकी दल से उनकी सकारात्मक वार्ता हो रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि उन्हें इन बैठकों से अच्छे परिणाम की उम्मीद है। इससे पहले रूबियो ने पोलैंड के प्रधानमंत्री और दो अमेरिकी सीनेटरों के दावों का जवाब देते हुए स्पष्ट किया है कि यूक्रेन को दिया गया शांति योजना का मसौदा अमेरिका ने तैयार किया है। अमेरिका ने युद्ध खत्म कराने के उद्देश्य से यूक्रेन को 28 बिंदुओं की शांति योजना का मसौदा दिया है। इस मसौदे में यूक्रेन के लिए युद्ध के दौरान रूस के कब्जे में गए डोनेस्क और लुहांस्क प्रांतों पर से दावा छोड़ने, सेना का आकार कम करने, नाटो में शामिल होने की इच्छा छोड़ने और युद्ध खत्म होने के बाद यूरोपीय सेना को तैनात न करने जैसी शर्तें हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन शर्तों वाली शांति योजना को मानने के लिए यूक्रेन को 27 नवंबर तक का समय दिया है। लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि इन शर्तों को मानने से यूक्रेन जमीन के साथ अपना गौरव भी खो देगा और अगर योजना नहीं स्वीकार की तो वह अमेरिका का सहयोग खो देगा। यह यूक्रेन के लिए मुश्किल समय है।

इंग्लिश चैनल में घुसे रूसी युद्धपोत व टैंकर! यूके ने जताया कड़ा एतराज, नाटो ने भी संभाली कमान

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रॉयल नेवी ने हाल ही में ब्रिटिश समुद्री सीमा के पास एक रूसी युद्धपोत और एक टैंकर को इंटरसेप्ट किया। यह निगरानी पिछले दो हफ्तों में की गई। रॉयल नेवी का जहाज एचएमएस सेवन रूसी स्टोकफिए कोर्वेट और एक टैंकर को लगातार मॉनिटर करता रहा, जब वे डोवर स्ट्रेट से होते हुए इंग्लिश चैनल में पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहे थे। बाद में यह जिम्मेदारी एक नाटो सहयोगी को सौंप दी गई, लेकिन एचएमएस सेवन दूर से नजर रखता रहा। ब्रिटिश रक्षा सचिव जॉन हीली ने दावा किया कि एक अन्य रूसी जहाज यत्र ने ब्रिटिश वायुसेना के पायलटों पर लेज़र पॉइंट किया जब वे उसकी गतिविधि की निगरानी कर रहे थे। ब्रिटेन यत्र को रूसी जासूसी जहाज कह रहा है। लंदन में रूसी दूतावास ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। रूस का कहना है कि यत्र एक ओशनोग्राफिक रिसर्च वेसल है।वह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में वैध गतिविधियां कर रहा था। ब्रिटेन सैन्य उन्माद फैलाने की कोशिश कर रहा है।

सऊदी अरब ने निकाली हजारों नौकरियां

अबुधावी, एजेंसी। सऊदी अरब ने देश के नागरिकों के लिए एक बड़ा रोजगार अभियान शुरू किया है। इस्लामिक अफेयर्स, दावा और गाइडेंस मंत्रालय ने मस्जिदों में सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और हज़ारों योग्य सऊदी नागरिकों को रोजगार का अवसर देने के लिए 31,000 नई नौकरियों की घोषणा की है। इस्लामिक अफेयर्स के मंत्री शेख डॉ. अब्दुल्लतीफ बिन अब्दुलअजीज अल-शेख द्वारा की गई यह घोषणा मंत्रालय के इतिहास के सबसे बड़े भर्ती अभियानों में से एक है।

यह नया चरण पिछले चार सालों में की गई 60,000 नियुक्तियों के अतिरिक्त है जिससे नेशनल एंप्लॉयमेंट इनिशिएटिव के तहत कुल नौकरियों की संख्या 91,000 हो गई है। इस भर्ती अभियान का सबसे अहम और आकर्षक पहलू इसका कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम है जिसे रिवॉर्ड सिस्टम कहा जाता है। ये पद फुल-टाइम सरकारी नौकरी नहीं हैं। इसमें फुल-टाइम काम करना अनिवार्य नहीं है। इस लचीलेपन के कारण, चयनित सऊदी नागरिक अपनी मुख्य नौकरी जारी रखते हुए भी मस्जिद में सेवा दे सकते हैं। यह व्यवस्था ऐसे लोगों को आकर्षित करने के लिए बनाई गई है जो समाज और मस्जिद की सेवा करना चाहते हैं लेकिन अपनी प्राथमिक आय का स्रोत नहीं छोड़ना चाहते।

योग्य सऊदी नागरिक सीधे देशभर में

मौजूद मंत्रालय की शाखाओं के जरिए आवेदन कर सकते हैं। रिवॉर्ड सिस्टम के तहत आवेदन करने के लिए सामान्य शर्तें और इमाम के लिए विशेष योग्यताएं निम्नलिखित हैं:

सामान्य शर्तें

नागरिकता: आवेदक सऊदी नागरिक होना चाहिए।

आयु: कम से कम 18 वर्ष।

चरित्र: अच्छा आचरण रिकॉर्ड (किसी सार्वजनिक या नैतिक अपराध में सजा न हुई हो)।

स्वास्थ्य: शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए।

कार्य: फुल-टाइम काम करना अनिवार्य नहीं है।

कुरआन पढ़ना: कुरआन पढ़ने में दक्षता (अच्छे कारी) होनी चाहिए।

तजवीद: बड़ी या अहम मस्जिदों के लिए तजवीद (उच्चारण के नियम) के साथ पढ़ना और कुरआन का एक बड़ा हिस्सा (जैसे एक-तिहाई) याद होना ज़रूरी है।

इस्लामी ज्ञान: फिकह (इस्लामी नियमों) का बुनियादी ज्ञान होना चाहिए खासकर नमाज़ (इबादत) से जुड़े मसलों का।

आवेदन प्रक्रिया

कैसे करें आवेदन: आवेदन ऑनलाइन नहीं बल्कि सीधे दस्तावेजों के साथ जमा करके करना होगा।

कहां करें: उम्मीदवार मंत्रालय के नज़दीकी किसी भी क्षेत्रीय दफ्तर में जाकर आवेदन कर सकते हैं। यह तरीका योग्यता को सीधे जांचने के लिए चुना गया है।

● प्रारंभिक परिणामों में यह जानकारी सामने आई

इच्छामृत्यु पर लगाई ब्रेक !

स्लोवेनिया, एजेंसी। स्लोवेनिया के नागरिकों ने रविवार को एक जनमत संग्रह में उस कानून को खारिज कर दिया, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित लोगों को अपना जीवन समाप्त करने की अनुमति देता था। चुनाव प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रारंभिक परिणामों में यह जानकारी सामने आई। लगभग पूरी हो चुकी मतगणना के अनुसार, करीब 53 प्रतिशत मतदाताओं ने इस कानून के खिलाफ मतदान किया जबकि लगभग 46 प्रतिशत ने इसके पक्ष में वोट दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान लगभग 50 प्रतिशत रहा। इच्छामृत्यु के खिलाफ अभियान का नेतृत्व करने वाले रूढ़िवादी कार्यकर्ता एलेस प्रिम्क ने कहा, ''करुणा की जीत हुई है। स्लोवेनिया ने जहर देकर मौत की नीति पर आधारित सरकार के स्वास्थ्य, पेंशन और सामाजिक सुधारों को अस्वीकार कर दिया है। यूरोपीय संघ के इस छोटे से देश की संसद ने यह कानून जुलाई में पारित किया था। पिछले वर्ष हुए एक गैर-बाध्यकारी जनमत संग्रह में लोगों ने इसका

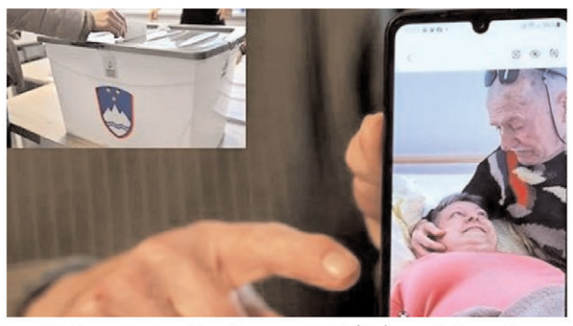

समर्थन किया था। हालांकि, प्रिम्क और अन्य विरोधियों ने 40,000 से अधिक हस्ताक्षर जमा कर फिर से मतदान कराने के लिए दबाव डाला। कानून के अनुसार, मानसिक रूप से सक्षम ऐसे लोग जिनके ठीक होने की कोई संभावना नहीं है या असहनीय दर्द झेल रहे हैं, उन्हें इच्छामृत्यु का अधिकार दिया जाना था। इसका मतलब था कि मरीज दो चिकित्सकों की मंजूरी के बाद स्वयं घातक दवा लेते। यह कानून मानसिक बीमारियों से पीड़ित लोगों पर लागू नहीं होता। इस कानून का समर्थन प्रधानमंत्री रॉबर्ट गोलोब की उदारवादी सरकार समेत कई पक्षों ने किया। समर्थकों ने तर्क दिया कि यह कानून लोगों को सम्मानपूर्वक जीवन और अपनी पीड़ा समाप्त करने का समय और तरीका स्वयं तय करने का अधिकार देता है। विरोध करने वालों में रूढ़िवादी समूह, कुछ चिकित्सक संघ और कैथोलिक चर्च शामिल थे। उनका कहना था कि यह कानून स्लोवेनिया के संविधान के खिलाफ है और सरकार को इसके बजाय बेहतर दर्दनाशक चिकित्सा सुविधाओं पर काम करना चाहिए। यूरोपीय संघ के कई अन्य देशों में ऐसे कानून पहले से लागू हैं, जिनमें स्लोवेनिया का पड़ोसी देश ऑस्ट्रिया भी शामिल है।

भीषण सड़क हादसा: पैदल यात्रियों पर चढ़ी तेज रफ्तार कार, 10 लोगों को कुचला

टोक्यो, एजेंसी। जापान की राजधानी टोक्यो में सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ, जब एक कार ने सड़क पर चल रहे करीब 10 पैदल यात्रियों को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई अन्य को हल्की चोटें आईं। जापानी मीडिया के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद कार का ड्राइवर घटनास्थल से भाग गया, जिसे पुलिस ने थोड़ी देर बाद पकड़ लिया। माइनिची अख़बार ने बताया कि ड्राइवर पर हिट-एंड-रन (टक्कर मारकर भागने) का मामला दर्ज किया गया है और उससे पूछताछ जारी है। जापान पुलिस ने अभी तक आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। अधिकारियों का कहना है कि वे जल्द ही विस्तृत अपडेट देंगे। हादसे की सही वजह, कार की गति, ड्राइवर की मानसिक या शारीरिक स्थिति और दुर्घटना के समय की परिस्थितियों की जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं

की गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार हादसा एक व्यस्त सड़क पर हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि कई लोग दूर जा गिरे। एम्बुलेंस और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों में कम से कम दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। ड्राइवर की पहचान अभी उजागर नहीं की गई। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज, चश्मदीदों के बयान और वाहन की तकनीकी जांच के आधार पर घटना की तहकीकात कर रही है।

स्कूल के 50 बच्चे किडनैपर्स के चंगुल से निकले

300 से ज्यादा हुए थे किडनैप

एबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के कैथोलिक स्कूल से कुछ लोगों ने बंदूक के दम पर 300 से अधिक बच्चों का अपहरण कर लिया था। मगर, अब उनमें से 50 बच्चे किडनैपर्स की आंखों में धूल झोंक कर फरार हो गए हैं। ईसाई समूह ने रविवार को इसकी जानकारी साझा की है।

किडनैपर्स ने शुक्रवार को नाइजर प्रांत के सेंट मेरी सह-शिक्षा स्कूल पर हमला बोला था। इस दौरान लगभग 303 बच्चों समेत 12 शिक्षकों को अगवा कर लिया गया था। वहीं, नाइजीरिया के केब्बी प्रांत में भी पिछले सोमवार को माध्यमिक विद्यालय की 25 छात्राओं को किडनैप किया गया था।

हमलावरों ने मंगलवार को क्वारा प्रांत की चर्च पर भी हमला किया, जिसका सीधा प्रसारण ऑनलाइन किया जा रहा था। इस दौरान चर्च में भगदड़ मच गई थी। गोलीबारी के बीच हर तरफ चीख-पुकार सुनने को मिल रही थी। लोगों में दहशत का माहौल है। मगर, इसी बीच बच्चों की वापसी

के बाद लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली है।

नाइजीरिया के क्रिश्चियन एसोसिएशन के बयान के अनुसार, आज हमें एक अच्छी खबर मिली है। 50 छात्र किडनैपर्स के चंगुल से भाग निकले हैं और अपने माता-पिता के पास वापस आ गए हैं। बता दें कि किडनैपर्स के द्वारा किडनैप किए गए बच्चों की उम्र 8-18 साल के भीतर है, जिनमें लड़के और लड़कियां सभी शामिल हैं। राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने भी इसपर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, कैथोलिक स्कूल से लापता छात्रों में से 51 को बरामद कर लिया गया है।

बसना में भाजपा का 'एसआईआर-2025' कार्यक्रम सम्पन्न

सांसद रूपकुमारी चौधरी और विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को किया प्रशिक्षित

बसना (समय दर्शन)। आगामी विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'एसआईआर-2025' कार्यक्रम का आयोजन बसना में किया गया। इस विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य त्रुटिरहित मतदाता सूची सुनिश्चित करना और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कराना है। कार्यक्रम मे में महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी एवं अध्यक्षता बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने की। जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया। विधायक डॉ. अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव है। यदि एक भी पात्र नागरिक का नाम सूची से वंचित रह जाए, तो यह हमारे संवैधानिक मूल्यों के साथ अन्याय होगा। सांसद ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे स्ढ्ढक्र-2025 के अंतर्गत चल रहे पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और प्रत्येक घर तक पहुंचकर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी नाम छूटे नहीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमानुसार होनी चाहिए। हाल ही में मतदाता सूची में नाम छूटने की शिकायतें सामने आई हैं, जो चिंताजनक हैं। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे हर नागरिक के मताधिकार की रक्षा सुनिश्चित करें। अतिथियों ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का यह अभियान केवल चुनावी रणनीति नहीं, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त करने की दिशा में एक ठोस कदम है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची पुनरीक्षण की तकनीकी जानकारी, फॉर्म भरने की प्रक्रिया, दस्तावेजों की वैधता और शिकायत निवारण प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई।

खबर-खास

बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के द्वारा बनाया गया हैंड वॉश

बसना (समय दर्शन)। स्वर्गीय जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना में प्राचार्य डॉ एस के साव के निर्देशन में एवं श्रीमती आरती साव रसायन विभाग अध्यक्ष की मार्गदर्शन में बीएससी अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के द्वारा लैब में हैंड वॉश का निर्माण किया गया । इस एक्टिविटी में आवश्यक सामग्री परफ्यूम, ग्लिसरीन, फूड कलर, नमक एवं स्ल्श्वस् का प्रयोग किया गया। हैंड वाश बनाने में स्ल्श्वस् का प्रयोग किया जाता है जिसका पूरा नाम सोडियम लॉरेट सल्फेट है जो झाग तथा सफाई एजेंट के रूप में काम करता है, नमक घोल को गाढ़ा करके सर्फेक्टेंट अनु को एक साथ लाने में मदद करते हैं, जिससे वह बेहतर काम करते हैं तथा ग्लिसरीन प्राकृतिक रूप से नमी प्रदान करता है व हाथों को रूखा होने से बचाता है परफ्यूम हैंड वॉश को सुगंध प्रदान करता हैद्य इसकी विधि में सर्वप्रथम 600 मिलीलीटर पानी लेते हैं एवं उसमें 40 ग्राम नमक 17 मिलीलीटर एस एल ई एस 3 मिलीलीटर ग्लिसरीन एवं आवश्यकता अनुसार परफ्यूम डालकर मिलाया जाता है एवं लगातार हिलाया जाता है कुछ समय के पश्चात हैंड वॉश का गाढ़ा घोल बनाकर तैयार हो जाता है इस एक्टिविटी में मनोज भोई एवं मीनाक्षी साव का भी योगदान रहा।

सुखीपाली के प्रभारी समिति प्रबंधक एवं धान खरीदी प्रभारी निलंबित

पिथौरा(समय दर्शन)। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित सुखीपाली के धान खरीदी प्रभारी रविशंकर सेठ को निलंबित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि आज कलेक्टर विनय लंगेह एवं जिला प्रसाशन टीम के द्वारा धान खरीदी केन्द्र सुखीपाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान धान खरीदी केन्द्र में अव्यवस्था पाई गई। जिसमें धान का स्टेकिंग सही नहीं पाया गया। बारदाना अव्यवस्थित एवं बिना टेग के लिया जाना पाया गया तथा सी सी टीवी कैमरा खरीदी केन्द्र पर नहीं होना पाया गया है। जो समिति प्रबंधक रविशंकर सेठ द्वारा धान खरीदी नीति के आदेश निर्देश का पालन नहीं करने तथा लापरवाही बरतने की श्रेणी में आता है? अत: उन्हें समिति के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए मुख्यालय जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रायपुर शाखा सांकरा में पदस्थ किया गया है। निलंबन अवधि मे जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा।

अपर कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र का किया निरीक्षण, किसानों की सुविधा को लेकर दिए सख्त निर्देश

बेमेतरा (समय दर्शन)। अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज ने आज बीजाभाठ स्थित धान खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों के लिए की गई सभी व्यवस्थाओं, धान तौल प्रक्रिया, टोकन वितरण व्यवस्था और उपार्जन कार्य की पारदर्शिता का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र प्रभारी और स्टाफसे दैनिक उपार्जन प्रगति, धान परिवहन व्यवस्था तथा सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी ली।

अपर कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी परिस्थिति में अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने कहा कि तौल मशीनें पूरी तरह सही स्थिति में रहें, गुणवत्ता परीक्षण पूरी निष्पक्षता से किया जाए और टोकन वितरण समय पर व पारदर्शिता के साथ हो। उन्होंने यह भी बताया कि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए और प्रत्येक किसान को निर्धारित समय पर उसका भुगतान अवश्य मिलना चाहिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में पानी, शौचालय, छाया, बैठने की व्यवस्था तथा प्राथमिक उपचार जैसी मूलभूत सुविधाओं को भी परखा। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी केंद्रों में व्यवस्थाएँ बेहतर होना आवश्यक है। अपर कलेक्टर ने केंद्र में उपस्थित किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। किसानों ने बताया कि इस वर्ष प्रशासन द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्था के चलते उन्हें समय पर टोकन, त्वरित तौल और सहज सुविधा प्राप्त हो रही है। इस पर संतोष प्रकट करते हुए श्री भारद्वाज ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य यही है कि हर किसान को बिना किसी परेशानी के समर्थन मूल्य पर धान विक्रय का पूरा लाभ मिले और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी व व्यवस्थित बनी रहे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी केंद्र पर लापरवाही विलंब या गलत प्रथा पाई जाती है तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के अंत में उन्होंने केंद्र प्रबंधन को नियमित मॉनिटरिंग, रिकॉर्ड संधारण, सीसीटीवी संचालन और परिवहन व्यवस्था पर विशेष ध्यान बनाए रखने के निर्देश दिए ताकि धान खरीदी का संपूर्ण कार्य निर्बाध और सुचारू रूप से संचालित होता रहे।

नारको को-ऑर्डिनेशन, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति एवं नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर समन्वय बैठक सम्पन्न

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्ट्रेट के दृष्टि सभाकक्ष में आज कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के निर्देशन मे नारको को-ऑर्डिनेशन सेंटर, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्त भारत अभियान, पशु क्रूरता निवारण तथा नवीन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक विस्तृत और महत्वपूर्ण समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने की इस दौरान अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत में पिछले माह की समीक्षा की गई और विभागों द्वारा की गई प्रगति, चुनौतियों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पिंकी मनहर, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, परिवहन, नगर पालिका और आबकारी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

नशीले पदार्थों पर सख्त कार्रवाई- युवाओं के भविष्य की रक्षा प्राथमिकता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने जिले में नशे के बढ़ते दुष्प्रभाव पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युवा वर्ग का भविष्य नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। हाल ही में नशा तस्करी के कई मामलों में प्रभावी कार्रवाई की गई है और मादक पदार्थों की जब्ती भी हुई है। उन्होंने सभी विभागों से संयुक्त रूप से एक व्यापक नशा विरोधी अभियान चलाने के निर्देश दिए। स्कूलों और कॉलेजों में नियमित नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर जोर देते हुए समाज कल्याण विभाग को समुदाय स्तर पर विशेष अभियान तैयार करने के लिए निर्देशित किया गया। आबकारी विभाग को सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। नगर पालिका और राजस्व विभाग को सड़क किनारे अवैध ठेले-गुमटियों को व्यवस्थित करने और नियम उल्लंघन पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारू रहे।

विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल ने रसोड़ा में धान खरीदी केंद्र का किया शुभारंभ

बसना(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की नई सरकार के किसान हितैषी संकल्प को जमीनी स्तर पर उतारते हुए, बसना विधानसभा क्षेत्र के कर्मठ विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने आज ग्राम रसोड़ा में नवनिर्मित धान खरीदी केंद्र का फीता काटकर भव्य एवं ऐतिहासिक शुभारंभ किया। यह पहल बसना क्षेत्र के अन्नदाताओं के कल्याण और उनकी समृद्धि की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

केंद्र के उद्घाटन के दौरान, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने स्वयं पूरे विधि-विधान के साथ तौल मशीन सहित पूजा-अर्चना की और शुभ मुहूर्त में धान की तौल कराकर खरीदी प्रक्रिया का मंगल आरंभ किया। इस दौरान किसानों और क्षेत्रवासियों में अभूतपूर्व उत्साह और प्रबल विश्वास का वातावरण देखा गया। विधायक डॉ. अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि यह शुभारंभ केवल एक शासकीय औपचारिकता नहीं है, बल्कि अन्नदाताओं के प्रति राज्य सरकार की दृढ़ और अटल प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इस महत्त्वपूर्ण अवसर पर, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। रसोड़ा में यह धान खरीदी केंद्र उन्हीं की किसान-केंद्रित नीतियों का परिणाम है। मैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने बसना विधानसभा क्षेत्र के किसानों की सुविधा के लिए इस केंद्र को शीघ्र स्वीकृति प्रदान की।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में दोहराया कि राज्य सरकार किसानों को अधिकतम सुविधा प्रदान करने और सम्पूर्ण खरीदी प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा से कटिबद्ध है। विधायक डॉ अग्रवाल ने आगे कहा कि हमारी सरकार का अंतिम लक्ष्य है कि हमारे किसान भाई का धान का एक-एक दाना सम्मानपूर्वक खरीदा जाए। उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और उनकी उपज का समुचित मूल्य उन्हें बिना किसी विलंब के समय पर मिले। हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि खरीदी केंद्रों पर व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रहें।

इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, धान उपार्जन केन्द्र के कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित रहे ।

हिन्दू सम्मेलन हेतु गृह सम्पर्क अभियान

बसना(समय दर्शन)। गृह संपर्क एवम हिंदू सम्मेलन के लिए सिंघनपुर मंडल का बैठक कर्मा माता मंदिर बोहारपार में संपन्न हुआ।

बैठक में विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री बसंत देवता एवं प्रखंड मातृ शक्ति सयोजिका नमिता साहू शामिल हुए। सिंघनपुर मंडल में सिंघनपुर ,बोहारपार मोहका ,गिधली , भदरपाली ,छुईपाली, गोरटेक , बरडीह, छुईपाली,को मिलाकर कुल नौ गांव शामिल है। इन नौ गांव का हिंदू सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न करने के लिए कर्मा माता मंदिर बोहारपार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से हिंदू सम्मेलन का कार्यक्रम बोहारपार के कर्मा माता मंदिर में 28 दिसंबर को प्रात: 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक कीर्तन बैठकी का कार्यक्रम होना तय हुआ। इस कार्यक्रम को संपन्न करने के लिए एक समिति का गठन किया गया, जिसमे संयोजक दिलीप साव,सह संयोजक रामकुमार स्वर्णकार, कार्यक्रम प्रमुख रामलाल बडाई, सह कार्यक्रम प्रमुख अरुण सोनी, व्यवस्था प्रमुख शोभित मांझी, सह व्यवस्था प्रमुख भारत बीसी, प्रचार प्रसार प्रमुख हरिराम नाग, सह प्रचार प्रसार प्रमुख क्षमानिधि साव, कोषाध्यक्ष गिरजा स्वर्णकार, सह कोषाध्यक्ष जगदीश सोनी को दायित्व दिया गया। मंडल के सभी गांव में गृह संपर्क, एवं ग्राम समिति गठन करने के लिए ग्राम प्रभारी का दायित्व दिया गया। सिंघनपुर गिरजा स्वर्णकार, बोहारपार चमरा स्वर्णकार, मौहका भरत बीसी, तरुण बारिक, गिधली भदरपाली का प्रभार शोभित मांझी एवं डमरू पटेल, बरडीही जगदीश प्रधान, छुईपाली रामलाल बडाई, गौरटेक लिंगराज नायक,रोहिदास नायक, को प्रभार दिया गया।

बेमेतरा में उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले में उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए एक जिला स्तरीय बैठक अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला शिक्षा साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सदस्यों ने शपथ ली, जिसमें उन्होंने साक्षरता और शिक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। बैठक में अभियान के उद्देश्य और कार्ययोजना पर चर्चा की गई। इसमें यह स्पष्ट किया गया कि यह कार्यक्रम केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि असाक्षरों को बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मकता, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता से लैस करना इसका मुख्य लक्ष्य है। कार्यक्रम केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि असाक्षरों को बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मकता, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता से लैस करना इसका मुख्य लक्ष्य है। कार्यक्रम के तहत शिक्षार्थियों को स्वास्थ्य, स्वच्छता और अन्य महत्वपूर्ण जीवन कौशल में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे अपने दैनिक जीवन में अधिक सक्षम बन सकें।अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज ने विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों से विशेष अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय भाग लें।

महापौर अलका बाघमार ने चार्ज रोड डामरीकरण कार्य का किया निरीक्षण

गुणवत्ता पर महापौर की कड़ी नज़र, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

जनता की वर्षों पुरानी मांग पूरी,चार्ज रोड का तेजी से हो रहा सुधार

चौपाटी चौक तक सड़क निर्माण की प्रगति संतोषजनक, कार्य में लाई जा रही पारदर्शिता

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने आज शहर के महत्वपूर्ण चार्ज रोड पर जारी डामरीकरण कार्य का विस्तृत निरीक्षण किया। चार्ज रोड से लेकर चौपाटी चौक तक फैले इस निर्माण कार्य को महापौर ने मौके पर पहुंचकर बारीकी से परखा।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क की मजबूती, मोटाई, गुणवत्ता, उपयोग की जा रही सामग्री, मशीनों की कार्यक्षमता सहित प्रत्येक चरण का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर निगम द्वारा किए जा रहे सड़क निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप, उच्च गुणवत्ता और निर्धारित समय सीमा में पूरे होने चाहिए।

महापौर बाघमार ने कहा कि चार्ज रोड शहर का अत्यंत व्यस्त और महत्वपूर्ण मार्ग है। नागरिकों द्वारा यह मांग लंबे समय से की जा रही थी कि सड़क की स्थिति में सुधार लाया जाए। नगर निगम द्वारा जनता की मांग को प्राथमिकता देते हुए अब सड़क का उच्च स्तरीय डामरीकरण किया जा रहा है, जिससे आने वाले वर्षों तक लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही या मानकों से विचलन पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

इस निरीक्षण में लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर,नीलेश अग्रवाल,गुलाब वर्मा, कार्यपालन अभियंता आर.के. जैन., हरिशंकर साहू सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने महापौर को कार्य की प्रगति और आगामी चरणों की जानकारी विस्तार से दी। महापौर ने टीम को यह निर्देश भी दिया कि कार्य के दौरान यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य है कि शहर की सभी प्रमुख सड़कों को मजबूत एवं सुरक्षित बनाया जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधा और सुगम आवाजाही का अनुभव मिल सके।

यातायात व्यवस्था सुदृढ़ीकरण हेतु धान विपणन सीजन में भारी वाहनों पर नियंत्रित प्रवेश

दुर्ग। ट्रैफिक मुख्यालय, नेहरू नगर दुर्ग में ए.एस.पी ऋचा मिश्रा तथा यातायात निरीक्षक पी.डी. चंद्रा के नेतृत्व में जिला विपणन अधिकारी, दुर्ग एवं राइस मिल एसोसिएशन दुर्ग के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान परिवहन सीजन के दौरान शहर में बढ़ने वाले यातायात दबाव को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक निर्णय लिए गए।* बैठक में यह निर्देशित किया गया कि शाम के पीक ऑवर्स, अर्थात् 6 बजे से 9 बजे तक, दुर्ग शहर के अंदर प्रमुख मार्गों पर अनावश्यक दबाव कम रखने हेतु धान परिवहन से संबंधित भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित किया जाए।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर के नन्हे-मुन्ने बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण

चांपा (समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी जांजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनांक- 27 नवंबर 2025 को कक्षा-नर्सरी से कक्षा-पाँचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को प्राकृतिक वन्यजीवन, विशेषकर सरीसृपों के संरक्षण और उनके पारिस्थितिक महत्व के बारे में जानकारी देना था। इस उद्देश्य से बच्चों को कोटमी सोनार स्थित प्रसिद्ध क्रोकोडाइल पार्क ले जाया गया, जहाँ उन्होंने न केवल नई-नई जानकारियाँ प्राप्त कीं बल्कि रोमांच और उत्साह से भरे पलों का आनंद भी लिया। सुबह विद्यालय परिसर से ही बच्चों में अत्यधिक उत्साह देखने को मिला। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और स्टाफकी देखरेख में सभी बच्चे सुरक्षित रूप से बसों में सवार होकर पार्क पहुँचे। पार्क पहुँचते ही बच्चों का स्वागत हरियाली और शांत प्राकृतिक वातावरण ने किया। सबसे पहले उन्हें मगरमच्छों के संरक्षण से जुड़े नियमों और सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी दी गई। पार्क के कर्मचारियों द्वारा बच्चों को बताया गया कि किस प्रकार विभिन्न प्रजातियों के मगरमच्छ यहाँ सुरक्षित रखे जाते हैं और उनके प्राकृतिक आवास को संरक्षित किया जाता है। बच्चों ने नजदीक से मगरमच्छों को देखा और उनके बारे में कई रोचक तथ्य सीखे। उन्होंने जाना कि मगरमच्छ कितने शांत दिखाई देते हैं परंतु वास्तव में वे बेहद मजबूत और फुर्तीले जीव होते हैं। पार्क के गाइड ने बच्चों को उनकी प्रजाति, भोजन, जीवनचक्र और पर्यावरण में उनकी भूमिका के बारे में सरल भाषा में समझाया। इससे बच्चों में वन्यजीवों के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता विकसित हुई। संस्था प्रबंधंन द्वारा विद्यार्थियों के लिये स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी। नन्हें-मुन्हें विद्यार्थी क्रोकोडाईल पार्क में अत्यंत उत्साहित नज़र आए। तत्पश्चात् विद्यार्थियों को शिक्षकों की देख-रेख में सुरक्षित वापस लाया गया तथा घर पहुँचाया गया। इस शैक्षणिक भम्रण में संस्था के लगभग 250 विद्यार्थी एवं 30 शिक्षक-शिक्षिकाएँ सम्मिलित हुए। शैक्षणिक भ्रमण के सफल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, एडमिन स्टॉफव ग्रुप डी स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

//ईश्तहार//

प्र.क्र. 202511100600035 अ-2
वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती सुनीता गिलहरे पिता/पति राजेन्द्र कुमार गिलहरे, निवासी राजीव चौक पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग(छ.ग.)के द्वारा ग्राम-पाटन प.ह.नं. 35, तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 1702/7 रकबा 0.0200 हे. भूमि पर आवासीय प्रयोजन में डाययवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिए आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 05.12.2025 न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सरायपाली

//न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)//

रा.प्र.क्र./ 202511100900057/अ/6/
वर्ष 2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तहसील -पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती श्वेता दुबे पति पार्था दुबे अन्य 01 निवासी एम.आई.जी.-1/86 पंडित रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा तहसील व जिला कोरबा तहसील व जिला कोरबा छ.ग. द्वारा ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित खसरा नंबर 178 का भाग रकबा 800 वर्गफुट को अनावेदक विक्रेता श्री शरद अग्रवाल पिता बी.एल. अग्रवाल निवासी बैरनबाजार रायपुर तहसील व जिला रायपुर से पंजीकृत बैनामा दिनांक 20.05.2014 के आधार पर अपने नाम नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदिका श्रीमती श्वेता दुबे पति पार्था दुबे अन्य 01 निवासी एम.आई.जी-1/86 पंडित रविशंकर शुक्ल नगर कोरबा तहसील व जिला कोरबा छ.ग. द्वारा दर्शित नामांतरण की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 15.12.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21.11.2025 को जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

विकास खंड स्तरीय स्काउट गाइड तृतीय सोपान व निपुण जॉच शिविर बिछिया में शुभारंभ

बसना(समय दर्शन)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़, स्थानीय संघ बसना द्वारा विकासखंड स्तरीय स्काउट्स व गाइड्स तृतीय सोपान व निपुण जॉंच शिविर का शुभारंभ जनपद सदस्य राजेश गढ़तिया के मुख्य आतिथ्य,शीत गुत्ता अध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के अध्यक्षता,भाजपा जिला महामंत्री जितेन्द्र त्रिपाठी, जनपद पंचायत बसना एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के उपाध्यक्ष मोहित पटेल,गढ़फुलझर भाजपा मंडल अध्यक्ष नरहरि पोर्ते,बसना मंडल अध्यक्ष नरेंद्र यादव, जनपद पंचायत सभापति प्रकाश सिन्हा, बिछिया के सरपंच रीना रानी गढ़तिया,उपसरपंच संतोषी सेतकुमार बंजारा,गढ़फुलझर भाजपा मंडल पूर्व अध्यक्ष माधव साव,शाला प्रबंधन एवं विकास समिति बिछिया के संरक्षक दरिद्र नारायण भोई,अध्यक्ष नेत्रमणी साहू,उपाध्यक्ष कन्हैया बंजारा, युवा भाजपा नेता गौरचंद्र प्रधान, शासकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बिछिया के प्रधान पाठक रामनाथ साव,भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के उपाध्यक्षगण विकास राजेश वाधवा,कामेश बंजारा,डॉ अरुणा अग्रवाल, मंजीत जशवंत सलुजा, लोचना गजेन्द्र के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया।तृतीय सोपान व निपुण जॉंच शिविर का उद्घाटन भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के अध्यक्ष शीत गुत्ता द्वारा ध्वजारोहण कर शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर संचालक गिरीश कुमार पाढ़ी द्वारा शिविर में आयोजित होने वाले गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया।अध्यक्ष शीत गुत्ता ने स्काउट्स एवं गाइड्स के उद्देश्यों को बारे में बताते हुए कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स छात्र – छात्राओं को आवश्यक जीवन कौशल सीखने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। मुख्य अतिथि जनपद सदस्य राजेश गढ़तिया ने कहा कि छात्र देश के भविष्य के निर्माता होते हैं,जो शिक्षा प्राप्त कर अपने ज्ञान और कौशल से समाज और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देते हैं।

स्थानीय संघ के उपाध्यक्ष डॉ.अरुणा अग्रवाल ने कहा कि स्काउट गाइड व्यक्ति को आदर्श, नैतिक,सदाचार एवं अनुशासनशील जीवन जीने की सीख देता है। उनके द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दिया गया।आजीवन सदस्य डॉ.गजानन अग्रवाल ने प्रशिक्षण का उद्देश्य बताते हुए कहा कि यह नवयुवकों को अच्छे नागरिक बनाना होता है।इस शिविर के अंतर्गत स्काउट के आन्दोलन का ज्ञान,आधार भूत तत्व, नियम,प्रतिज्ञा,प्रार्थना,झण्डा गीत,यूनीफॉर्म,टोली विवरण,ध्वजारोहण की जानकारी,बी पी सिक्स, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय गीत,दीक्षा संस्कार,गॉठि,प्राथमिक चिकित्सा, अनुमान लगाना, कम्पास, दिशा ज्ञान, खोज के चिन्ह, सिटी व हाथ के संकेत,पायनियरिंग,पट्टियां व स्ट्रेचर, सिग्नैलिंग, दीक्षा संस्कार, गैजेट्स के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सेवा कार्य का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

संक्षिप्त-खबर

कांग्रेस के दुर्ग विधासभा एसआईआर प्रभारी दीपक दुबे ने किया ब्लॉकों का वार्डा का दौरा

दुर्ग(समय दर्शन)। एस आर आई को लेकर दुर्ग शहर के पांच ब्लॉकों के वार्डों में बूथ लेवल पर कांग्रेस पार्टी के बी एल ए के साथ घर-घर जाकर मतदाता पूर्ण निरीक्षण कार्य का अवलोकन दुर्ग शहर विधानसभा एस आर आई प्रभारी श्री दीपक दुबे जी, (महामंत्री, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी) एवं दुर्ग लोकसभा समन्वयक व एस आई आर प्रभारी श्री राजेंद्र साहू जी, के द्वारा किया जा रहा है।

प्रभारी श्री दीपक दुबे जी द्वारा दुर्ग शहर कांग्रेस के सभी बी एल ए को सख्त निर्देश देते हुए सभी बूथ पर कोई भी मतदाताओं का नाम सूची में ना छूटे एवं फॉर्म 06 भरकर नए मतदाताओं का नाम भी जोड़े द्य इसी तरह कल पूर्वी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत वार्डों में बूथ कार्यकर्ता बी एल ए के साथ घर-घर जाकर मतदाता पूर्ण निरीक्षण कार्य का अवलोकन करेंगे।

इस अवलोकन कार्यक्रम में सहभागिता के रूप में पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले मध्य ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष अल्ताफअहमद, परमजीत सिंह, राय सिंह ढिकोला, राकेश यादव महीप सिंह भुवल, विनोद सेन, केशव सिंहा, सुनीत घोष, खुर्शीद अहमद, अनूप वर्मा, राकेश साहू, हेमंत तिवारी, श्रद्धा सोनी, अशोक मेहरा, संघर्ष हीरवर्कर, संजय बत्रा मनोज सिन्हा, मुख्य रूप से उपस्थित रहे है।

तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, दूसरे दिन खेल मैदान में दिखी नन्हे खिलाड़ियों की ऊर्जा

गरियाबंद (समय दर्शन)। स्प्रिंगबोर्ड किड्स स्कूल, गरियाबंद में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का द्वितीय दिवस (27 नवम्बर 2025) उल्लास,उत्साह और जोश से भरपूर रहा।कार्यक्रम में कान्हा क्लब के कोच जीडी.उपासने,विजय सिन्हा और पार्षद छगन यादव मुख्य अतिथि एवं निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। नन्हे खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में अभिभावक भी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों ने बच्चों को खेलों के माध्यम से सीखने और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।मुख्य अतिथि एवं कान्हा क्लब के कोच जे. डी.उपासने ने खेल के प्रति बच्चों में जागरूकता और खेल भावना के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों में मिट्टी की पकड़ सबसे मजबूत होती है। खेल में गिरना, चोट लगना, हारनाङ्क्ये सब सफर का हिस्सा है। असली खिलाड़ी वही है जो हर गिरने के बाद फिर खड़ा हो, फिर दौड़े, फिर सीखे और आगे बढ़े। जीत और हार दोनों से सीख मिलती है। इन नन्हे खिलाड़ियों में वही जज्बा दिखता है। उपासने ने बच्चों को खेल को पढ़ाई जितना ही महत्वपूर्ण मानते हुए कहा कि खेल शारीरिक फिटनेस, आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व कौशल को मजबूत करते हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी कहा कि वे बच्चों को खेल के लिए प्रेरित करें और उन्हें मैदान पर खुलकर खेलने दें।

मुख्य अतिथि छगन यादव ने अपने संबोधन में स्कूल की पहल की प्रशंसा की और कहा कि यह गर्व का विषय है कि कान्हा क्लब के मैदान पर ऐसे नन्हे बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। स्प्रिंगबोर्ड किड्स स्कूल ने बच्चों को खेल से जोड़ने का जो काम किया है, वह सराहनीय है। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के संचालक इसहाक बाघ ने उत्साहपूर्ण अंदाज में किया। विद्यालय की प्राचार्या दीपिका तिर्की ने प्रतियोगिता की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मुख्य अतिथियों,अभिभावकों,नगर पालिका,कान्हा वॉलीबॉल परिवार और स्कूल स्टाफका आभार व्यक्त किया।

एनआईटी रायपुर की टीम द्वारा दुर्ग जिले में मनरेगा एवं पीएम आवास निर्माण कार्यों का निरीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के सहायक प्राध्यापक (नोडल ऑफिसर) डॉ. विकास कुमार एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. चन्दन सिंह द्वारा आज दुर्ग जिले में जिला पंचायत दुर्ग के विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल ने महात्मा गांधी नरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जारी निर्माण एवं विकास कार्यों का स्थल भ्रमण कर मूल्यांकन किया।

निरीक्षण कार्यों में चेक डैम निर्माण-ग्राम थनौद में नवीन चेक डैम निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मिट्टी कार्य एवं जल धारण क्षमता का अवलोकन। चेक डैम जीर्णोद्धार - थनौद में पूर्व निर्मित संरचना के सुधार, मजबूती और जल संरक्षण क्षमता का परीक्षण। वृक्षारोपण कार्य - अंजोरा (ख) में पौधारोपण की संख्या, जीवितता प्रतिशत एवं संरक्षण उपायों की समीक्षा। गौठान में डबरी निर्माण - अंजोरा (ख) में जल संचयन हेतु डबरी के आकार, सफाई एवं तकनीकी मानकों का निरीक्षण। अमृत सरोवर - थनौद में सरोवर की गहराई, तट सुदृढ़ीकरण, जलभराव एवं सौंदर्यीकरण कार्य का परीक्षण।

किसानों की सुविधा सुनिश्चित करने देवरबीजा खरीदी केंद्र पहुँचे अपर कलेक्टर

प्रशासन ने कस दी व्यवस्थाओं की निगरानी

बेमेतरा (समय दर्शन)। अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज ने देवरबीजा स्थित धान खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर सुश्री पिंकी मनहर भी उपस्थित रहीं। श्री भारद्वाज ने केंद्र में किसानों के लिए की गई सभी तैयारियों, धान तौल प्रक्रिया, टोकन वितरण प्रणाली तथा उपार्जन कार्य की पारदर्शिता का विस्तृत परीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र प्रभारी एवं स्टाफसे दैनिक उपार्जन प्रगति, धान परिवहन व्यवस्था, सुरक्षा इंतज़ाम और रिकॉर्ड संधारण की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों पर काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसानों को कतार में अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि तौल मशीनें पूरी तरह कार्यशील रहें, गुणवत्ता जांच निष्पक्ष तरीके से की जाए और टोकन वितरण समय पर तथा पारदर्शिता के साथ हो। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भुगतान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का विलंब अस्वीकार्य है—हर किसान को निर्धारित समयावधि में उसका भुगतान अवश्य प्राप्त होना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में पानी, शौचालय, छाया, बैठने की व्यवस्था और प्राथमिक उपचार जैसी मूलभूत सुविधाओं की गुणवत्ता का भी आकलन किया। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा प्रशासन की प्राथमिकता है, और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएँ लगातार बेहतर बनी रहें। श्री भारद्वाज ने मौके पर मौजूद किसानों से बातचीत कर उनकी राय और अनुभव भी सुने। किसानों ने बताया कि इस वर्ष प्रशासन द्वारा की गई प्रभावी व्यवस्था से उन्हें त्वरित तौल, व्यवस्थित टोकन वितरण और सुविधाजनक माहौल मिल रहा है।अपर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन का उद्देश्य यही है कि प्रत्येक किसान को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया सुचारू, सरल और पारदर्शी ढंग से प्राप्त हो। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि किसी भी केंद्र पर अनियमितता, विलंब या गलत प्रथा पाई जाती है तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के अंत में उन्होंने केंद्र प्रबंधन को नियमित मॉनिटरिंग, सटीक रिकॉर्ड संधारण, सीसीटीवी की सतत निगरानी और परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि धान खरीदी का पूरा संचालन निर्बाध रूप से चलता रहे।

गाइडलाइन दरों में भारी बढ़ोत्तरी के खिलाफ आमजन में नाराजगी, विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संपत्ति की गाइडलाइन दरों में अचानक हुई भारी बढ़ोत्तरी को अनुचित बताते हुए शहर और तहसील के नागरिकों ने कड़ा विरोध जताया है। गुरुवार को बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने राजनांदगांव विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए दरों पर तत्काल पुनर्विचार की मांग की।

निवासियों का कहना है कि 20 नवंबर 2025 को जारी नई गाइडलाइन दरें पहले की तुलना में अत्यधिक बढ़ाई गई हैं, जिसके चलते जमीन-मकान की खरीद-फरोख्त लगभग ठप पड़ गई है। आमजन ने आरोप लगाया कि अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी के कारण पंजीयन कार्यालयों में सन्नाटा पसरा है और किसान व मध्यमवर्गीय परिवार पंजीयन कराने में असमर्थ हो रहे हैं। बढ़ोत्तरी का सीधा असर संपत्ति लेन-देन पर पड़ा है और लोगों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ बढ़ा है।

ज्ञापन में नागरिकों ने तीन प्रमुख मांगें रखीं, जिसमें पुरानी गाइडलाइन दरों पर केवल 10 प्रतिशत वृद्धि लागू की जाए। नगर निगम क्षेत्र में 0.35 डिसमिल प्लॉट दर को निरस्त कर पूर्ववत 0.51 डिसमिल कृषि दर पर आधारित हेक्टेयर मूल्यांकन लागू किया जाए। बहुमंजिला भवन, दुकान और कार्यालयों पर पूर्व में लागू छूट के प्रावधानों को यथावत रखा जाए।

लोगों ने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि बढ़ाई गई गाइडलाइन दरों को रद्द कर आमजन के हित में पुनर्विचार किया जाए, ताकि जमीन-मकान के पंजीयन में आ रही कठिनाइयों से राहत मिल सके।

उक्त कार्यक्रम में उपस्थित सभी आम जनता द्वारा बढ़ी हुई गाइडलाइन दर को कम करने हेतु मार्मिक अपील की गई, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष द्वारा भी जनभावनाओं को समझते हुए उक्त बढ़ी हुई दरों को कम करने हेतु आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया गया। ज्ञापन सौंपने के दौरान अनुप श्रीवास, बालू शर्मा, राजेश पारख, सतीश साहू, देवल वर्ल्यानी, लोकेश अग्रवाल, पवन पवार, पप्पू खुंटे, वरूण पांडे, नीरज कन्नौजे, गोलू ठाकुर, बलराज जैन, शांतिलाल जैन, पवन सोनी, लोकेश देवांगन, उमेश साहू, तरुण बालकिशोर समेत सैकड़ों नागरिक मौजूद रहे।

विगत 25 वर्षों में दुर्ग जिले में कृषि विभाग ने की अभूतपूर्व प्रगति

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिले के कृषि विभाग ने विगत पच्चीस वर्षों में कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है, जिससे किसानों का जीवन स्तर और जिले की कृषि अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हुई है। वर्ष 2025 में, विभाग ने खरीफ और रबी फसलों के क्षेत्राच्छादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। खरीफफसल का क्षेत्राच्छादन 146276 हेक्टेयर तक पहुँच गया है, जो विगत 25 वर्षों की तुलना में 4 प्रतिशत (5046 हे.) अधिक है, जबकि रबी फसल का क्षेत्राच्छादन 53660 हेक्टेयर रहा, जिसमें 8 प्रतिशत (3700 हे.) की वृद्धि हुई है। उत्पादन के मोर्चे पर भी जिले का शानदार प्रदर्शन रहा। खरीफ फसल उत्पादन 720 हजार मीट्रिक टन (53 प्रतिशत अधिक) और रबी उत्पादन 84 हजार मीट्रिक टन (43 प्रतिशत अधिक) दर्ज की गयी।

गलत स्व-विवरणी पर निगम का कड़ा रुख, करदाताओं पर लगेगी 5 गुना पेनल्टी

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। निगम ने भवन एवं भूमि स्वामियों को चेतावनी दी है कि यदि कोई करदाता अपनी संपत्ति का विवरण स्व-विवरणी में गलत या कम दिखाता है, तो उस पर अंतर राशि का 5 गुना तक जुर्माना लगाया जाएगा। निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि इस नियम का उद्देश्य करदाताओं पर बोझ डालना नहीं, बल्कि शहर में एक सही और निष्पक्ष कर व्यवस्था स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि गलत विवरण प्रस्तुत करने वाले किसी भी करदाता को पेनल्टी माफ़करने का अधिकार निगम के पास भी नहीं रहेगा, इसलिए सभी संपत्ति स्वामी सही जानकारी देना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रॉपर्टी टैक्स का एकमुश्त भुगतान 30 नवंबर 2025 तक करने पर 2 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। करदाता समय पर भुगतान कर इस लाभ का फायदा उठा सकते हैं। निरीक्षण के दौरान यदि किसी संपत्ति में वास्तविकता से कम आंकड़े प्रस्तुत किए गए पाए गए, तो निगम सीधे 5 गुना पेनल्टी लागू करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि स्व-विवरणी भरने एवं बिना अधिभार के कर जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित है। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम शहर के विकास के लिए कर संग्रहण को पारदर्शी और तथ्यात्मक बनाना चाहता है। गलत स्व-विवरणी देना नियमों का उल्लंघन है और इससे राजस्व की हानि होती है। सभी नागरिक सटीक जानकारी दें ताकि अनावश्यक कार्रवाई न करनी पड़े। उन्होंने आगे कहा कि करदाता समय पर कर जमा करें और 30 नवंबर तक एकमुश्त भुगतान कर 2 प्रतिशत की छूट का लाभ ज़रूर उठाएँ।

पाटन कॉलेज में रक्तदान शिविर आयोजित

रक्तदान हमारा सामाजिक दायित्व, प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकार स्नातकोत्तर महाविद्यालय पाटन में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के मार्गदर्शन व दिशा निर्देशन में यूथ रेड क्रॉस सोसायटी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में, रेड क्रॉस ब्लड बैंक डीकेएस हॉस्पिटल परिसर रायपुर के सहयोग से एकदिवसीय विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया गया। महाविद्यालय यूथ रेड क्रॉस सोसायटी व कार्यक्रम संयोजक डीके भारद्वाज, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ एस के भारती ने प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा व ब्लड बैंक के प्रमुख डॉ सत्यनारायण पांडे व उनकी टीम को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा ने अपने उद्बोधन में रक्तदान कार्यक्रम के उद्देश्यों का महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की हमारे द्वारा किये गए रक्तदान से जरूरतमंद के जीवन को बचाया जा सकता है, साथ ही रक्तदान पश्चात अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन युक्त पौष्टिक आहार लेने की बात कही। हम सभी समाजिक प्राणी है और प्रकृति ने हम सभी को जीवन जीने का अधिकार दिया है जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान करना हम सभी का सामाजिक दायित्व है ताकि समाज गतिशील रहे। डॉ नंदा गुरुवारा ने रक्तदाताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए स्वयं रक्त जांच कर कर सभी को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। ब्लड बैंक प्रमुख के डॉ एसके पांडे ने रक्तदान के फायदे बताते हुए कहा कि दिल का दौरा की संभावना कम होती है, शरीर का वजन घटाने में मदद मिलने जैसे अनेक लाभ है। शिविर मे 14 यूनिट ब्लड डोनेशन होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा तथा महाविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संयोजक डी के भारद्वाज एवं डॉ एस के भारती ने कार्यक्रम की सफलता के हेतु मार्गदर्शन के लिए प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा और रिप्रेशमेंट एवं रक्तदाताओं के प्रोत्साहन हेतु गिफ्ट प्रदान करने के लिए एच डी एफ सी बैंक पाटन ब्रांच के मैनेजर नीरज कुमार का सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

मोदी सरकार का नया श्रम संहिता मजदूर विरोधी कॉरपोरेट को फायदा पहुंचाने-दीपक बैज

रायपुर(समय दर्शन)। श्रम कानूनों में परिवर्तन मोदी सरकार का कॉरपोरेट परस्त नीतियों का प्रत्यक्ष उदाहरण है, देश के मेहनतकश मजदूरों के साथ छल किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मजदूर संगठनों के कड़े विरोध के बावजूद केंद्र सरकार ने कॉर्पोरेट हित में मजदूरों को गुलाम बनाना चाहती है। 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को रद्द कर 4 श्रम संहिता मनमानी पूर्वक थोपना श्रमिकों पर अत्याचार है। काम के घंटे 8 से बढ़ाकर 12 कर दिया गया, कारखानों में महिला कामगारों की अनिवार्य सुविधाएं खत्म कर दी गई, 100 से अधिक संख्या में कार्यरत मजदूरों के लिए विशेष संरक्षण को परिवर्तित कर 300 मजदूर कर दिया गया, नया कानून मजदूरों के जीवन और आजीविका को संकट में डालने वाला है। उन्होंने कहा कि श्रम नीति 2025 का मसौदा केवल कॉर्पोरेट परस्त नीतियों पर आधारित है मेहनतकश लोगो के हितों के खिलाफहै। इस नई श्रम संहिताओं का आधार ही मजदूरों का शोषण और गुलामी है। पूंजीवादी गुलाम संघीयों और भाजपाइयों के लिए विकास का पर्याय ही कॉर्पोरेट का मुनाफा है, श्रमिकों का खून चूस कर पूंजीपतियों का पोषण करने का षड़यंत्र रचा गया है। श्रमवीरों के परिश्रम और पसीने की यह सरकार लगातार अपमानित कर रही है ।

उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार अपने पूंजीपति मित्रों के मुनाफे के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक प्रक्रिया तक कुचलने पर आमादा है। करोड़ों मजदूरों के हित प्रभावित होने वाले दो दर्जन से ज्यादा श्रम कानून, बिना चर्चा, बिना सदन में बहस के विपक्षी दल के सांसदों को मार्शल लगाकर बाहर करके पास कर दिया गया। कहीं पर किसी की सुनवाई नहीं है।

10 दिसबर (मानव अधिकार दिवस) तक, विश्व भर में 16 दिवसीय सक्रियता अभियान के रूप में लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम

बेमेतरा (समय दर्शन)। (महिलाओं के विरूद्ध हिंसा उन्मुलन का अंतर्राष्ट्रीय दिवस) से 10 दिसम्बर (मानव अधिकार दिवस) तक, विश्व भर में 16 दिवसीय सक्रियता अभियान के रूप में लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाना है।

जिसके अंतर्गत कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री सी.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा (छ.ग.) लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु कार्यक्रम का आयोजन लाइवलीहुड कॉलेज चोरभ ?ट्ठी में किया गया। जिसमें महिलाओं एवं बालिकाओं को लिंग आधारित हिंसा के विषय में जानकारी दिया गया लिंग आधारित हिंसा वह हिंसा है जो किसी व्यक्ति पर उसके लिंग, लिंग पहचान या सामाजिक भूमिकाओं के आधार पर की जाती है। यह हिंसा महिलाओं पुरुषो, बच्चों व समुदाय में सभी को प्रभावित करती है। लिंग आधारित हिंसा को रोकना केवल सरकार का काम नहीं, बल्कि समाज, परिवार और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। सम्मान, समानता और जागरूकता से ही सुरक्षित और समावेशी समाज बनाया जा सकता है।

हमारे प्रत्येक कार्य के लिए कानून है - जज मनजीत जांगड़े

बसना(समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद विद्यालय भूकेल में उक्त बातें न्यायाधीश मंजीत जांगड़े द्वारा कही गई। विद्यालय में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर कार्यक्रम एवं संविधान दिवस के अवसर पर बसना न्यायालय के न्यायधीश मंजीत जांगड़े ने कानून की बारीकियों एवम तकनीकी जानकारी दी।

उन्होंने संविधान निर्माण के संबंध में जानकारी दी। इसके पश्चात अनुच्छेदों एवं धाराओं को विस्तृत रूप से वर्णन किया। मोटर यान अधिनियम (18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को गाड़ी नहीं चलाना चाहिए) , सड़क सुरक्षा अधिनियम , गुड टच बैड टच , पॉक्सो एक्ट बालकों के लैंगिक अपराध से जुड़े नियमों की व्याख्या किए। एफआईआर क्या है ? शिकायत कहां करें। यदि थाना में रिपोर्ट दर्ज नहीं किया जाता है तो उच्च कार्यालय जाएं ,कहीं पे सुनवाई नही होती तो सीधे न्यायालय से संपर्क कर सकते हैं। न्यायालय में आपको पूरी सुनवाई का मौका मिलेगा। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य सी एस पटेल , डी के मरावी , एन पी नायक , प्रधान पाठक एन एल पटेल ने जज को पुस्पगुछ से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक विजय शंकर विशाल ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेश साहू , सहदेव वर्गे , भगवती साहू , संतोष देवांगन , पूर्णिमा देवांगन , रेणुका भोई , रूपधर पटेल , कीर्ति जगत , प्रकाश चौहान व अन्य शैक्षणिक स्टाफका विशेष योगदान रहा। आभार प्रदर्शन प्राचार्य सी एस पटेल द्वारा किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26